जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, रविवार 6 फरवरी, 2022

ख्वाहिशें क्यों करनी छोटी

जब 30 लाख में मिल रही हो कोठी!

900 SQ. FT.
बिल्ट – अप एरिया
3 BHK कोठी
सिर्फ 30 लाख में!

Kedia's
THE KOTHI
(भव्य•उत्कृष्ट•श्रेष्ठ)

1500 SQ. FT.
बिल्ट – अप एरिया
3 BHK कोठी
सिर्फ 45 लाख में!

900 SQ. FT. बिल्ट – अप एरिया वाली

3 BHK कोठी सिर्फ 30 लाख में!

क्योंकि हम जानते है सपनों की कोई साइज नहीं होती।

SIRSI ROAD, VAISHALI EXTENSION, JAIPUR

KEDIA
Transforming Realty

TOLL FREE: 1800-120-23-23, 7877-07-27-37

www.kedia.com | www.kediahomes.com | info@kediahomes.com
www.rera.rajasthan.gov.in | Rera No. RAJ/P/2021/1523, RAJ/P/2021/1526

*T&C Apply

विचार बिन्दु

आनंद वह ख़ुशी है जिसके भोगने पर पछताना नहीं पड़ता। –सुकरात

पुराने वृक्ष व काष्ठीय वनस्पति बिगड़े वनों के सुधार हेतु प्रारंभिक पूंजी है

एक बड़ी रोचक बात देखने को मिलती है कि बिगड़े वनों में जहां थोड़ी सी बची-खुची वनस्पति होती है या स्थानीय प्रजातियों के पुराने बड़े वृक्ष बचे रहते हैं उनके चारों तरफ वृक्षारोपण करने पर एक ओर रोपित और बुवाई किये गये पौधों की उत्तरजीविता बढ़ जाती है और दूसरी और ऐसी प्रजातियों के पौधे भी आने लगते हैं जिनका रोपण या बुवाई नहीं हुई। काष्ठीय प्रजाति के पौधों के इर्द-गिर्द प्राकृतिक पुनरुत्पादन में पाई जाने की इस प्रवृत्ति को रैमनैंट वेजिटेशन, रैमनैंट ट्रीज, फोकल ट्रीज, रैमनैंट फ्रेगमेंट्स, या नर्स प्लांट्स के कारण फैसिलिटेशन और न्यूक्लिएशन इफेक्टआदि के सन्दर्भ में देखा जाता है। ऐसी वनस्पति और वृक्षों को संरक्षित किया जाना चाहिये (देखें, आर. डब्ल्यू. ब्रुकर इत्यादि, जर्नल ऑफ़ इकोलॉजी, 96(1):18-34, 2008)। बड़े वृक्षों का संरक्षण इसलिये भी आवश्यक है क्योंकि क्षेत्र के सबसे बड़े एक प्रतिशत वृक्षों में 50 प्रतिशत बायोमास पाया जाता है (देखें, जे.ए. लुत्ज़ इत्यादि, ग्लोबल इकोलॉजी एंड बायोजियोग्राफी, 27(7): 849-864, 2018)। साथ ही, पारिस्थितिक तंत्र और मानव स्वास्थ्य को जोड़ने वाले अति-महत्वपूर्ण कारकोंके रूप में पुराने-वन और पुराने बड़े वृक्ष निर्विकल्प संसाधन व पृथ्वी पर जीवन के लिए आवश्यक पारिस्थितिक तंत्र हैं (देखें, मेलिंडा गिल्हेन-बेकर इत्यादि, एनवायर्नमेंटल केमिस्ट्री लेटर्स, 2022)।

यह विश्लेषण क्यों? भारत उन देशों में है जहाँ यूएन डिकेड ऑन इकोसिस्टम रेस्टोरेशन 2021-2030 के दौरान बड़ी मात्रा में वृक्षारोपण और वन पुनर्स्थापन प्रस्तावित हैं। ऐसी चिंतायें व्यक्त की गयी हैं कि भारत में वृक्षारोपण तकनीकी रूप से ठीक नहीं हो रहे हैं। इसलिये रणनीति व क्रियान्वयन को प्रमाण-आधारित रखना आवश्यक है। यह आलेख उष्णकटिबंधीय वनों के पुनर्स्थापन हेतु प्रमाण-आधारित रणनीतियों की पहचान के लिये किये जा रहे श्रंखलाबद्ध विश्लेषण का हिस्सा है। आज फैसिलिटेशन और न्यूक्लिएशन के माध्यम से बेहतर वन पुनर्स्थापन पर चर्चा है। ध्यान दीजिये, यहाँ हम ठूंठों या प्रसुप्त जड़ों के पुनःप्रस्फुटन (रिस्प्रोउटिंग, कॉपिसिंग) की बात नहीं कर रहे हैं। कॉपिसिंग एक अलग और महत्वपूर्ण विषय है जिस पर पृथक विश्लेषण होगा। इस आलेख पर भारतीय वन सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों श्री पी.डी. गुप्ता, श्री राजीव त्यागी, श्री उमेश मोहन सहाय, श्री एस.एन. सिंह, श्री एम.एल. मीना, श्री अरविंदर सिंह बराड़ तथा श्री आर. पी. गुप्ता द्वारा समालोचनात्मक टिप्पणियों के लिये आभारी हूँ।

हाल ही में एक शोध में पाया गया कि 50 हेक्टेयर क्षेत्र में चन्दन के 5 रोपित वृक्षों में 10 से 15 वर्षों के अन्दर बीजोत्पादन प्रारम्भ हो गया है और अब प्राकृतिक पुनरुत्पादन रहा है। इस वन क्षेत्र में विविध उम्र वाले चन्दन के 178 पौधे पुनरुत्पादित हुये हैं जिनमें से 11 अब वृक्ष रूप में विकसित हो गये हैं व बीजोत्पादन कर रहे हैं। मदर-ट्रीज या मातृ-वृक्षों की उपस्थिति, बीज-विकीर्णन करने वाले पक्षियों की उपस्थिति, पक्षियों के लिये क्षेत्र में अन्यत्र बैठने के लिये स्थानीय प्रजातियों के वृक्षों की उपस्थिति, सुरक्षित जगह या सेफ-साइट्स में बीज विकीर्णन आदि इस प्राकृतिक पुनरुत्पादन में सहायक हैं। कई वृक्षों में पक्षियों के खाने योग्य फल होते हैं या उनमें चढ़ी गुडूची जैसी लताओं के फल खाने योग्य होते हैं और पक्षी वहां जाकर बैठते हैं तथा चन्दन वृक्ष से खाये गये बीजों को यहाँ विकीर्णित करते हैं। यह पाया गया कि कुमठा जैसे लेग्यूम प्रजाति के वृक्ष अपने वितान के नीचे अच्छा फर्टिलिटी आईलैंड बनाते हैं, इसलिये उन वृक्षों में बैठकर पक्षियों द्वारा बिखेरे गये बीजों से चन्दन का अच्छा प्राकृतिक पुनरुत्पादन प्रारंभ हो जाता है। ऐसे क्षेत्रों में चराई, कटाई व आग से कम से कम 10 वर्ष तक ठोस सुरक्षा करना आवश्यक होता है। ऐसे वृक्षों के नीचे विविध प्रजातियों की वनस्पति का पुंज या वेजीटेशन आइलैंड विकसित होता रहता है और न्यूक्लिेशन प्रभाव से वनस्पति धीरे-धीरे अपना दायरा बढ़ाने लगती है (डी.एन. पाण्डेय, प्रकाशनाधीन, 2022)। जहाँ ऐसे वृक्ष नहीं हैं वहां प्राणियों द्वारा विकीर्णित राजस्थान की तमाम प्रजातियों को सीधी बुवाई से पुनरुत्पादित किया जा सकता है। राजस्थान में डॉ. चन्द्र मोहन माथुर ने वर्ष 1961 में वन क्षेत्र में की गयी शोध में पाया था कि करौंदे की झाड़ियों के नीचे सीधी-बुवाई से चन्दन अच्छा उगता है (देखें, सी.एम. माथुर, इंडियन फ़ॉरेस्टर, 87(1): 37-39, 1961)।

वनों में मातृ-वृक्षों(मदर ट्रीज) की विविध प्रजातियों की उपस्थिति और वितरण के कारण फॉरेस्ट रेस्टोरेशन पर पड़ने वाले प्रभाव पर अभी तक का सबसे व्यापक वैश्विक अध्ययन स्पष्ट करता है कि पुनर्स्थापन क्षेत्रों के100 मीटर के भीतर मातृ-वृक्षों की उपस्थिति और निकटता के परिणामस्वरूप सीडलिंग्स या बिजौलों की संख्या औसतन तीन से चार गुना बढ़ी हुई पायी गयी। मातृ-वृक्षों की प्रचुरता यदि 25 मीटर के भीतर है तो पुनर्स्थापन में भारी धनात्मक प्रभाव पड़ता है (देखें, आर.ए. जहावी इत्यादि, इकोग्राफी 44(12): 1826-1837, 2021; एफ. सी. बेचारा इत्यादि, फारेस्ट इकोलॉजी एंड मैनेजमेंट, 491: 119088, 2021 भी देखें)। खास बात यह है कि यह पैटर्न बड़ी-बीज वाली प्रजातियों के कारण था जिनको पुनर्स्थापन में प्रमुखता देना सबसे कठिन किन्तु परम आवश्यक है। यदि प्राकृतिक प्रक्रिया के भरोसे रहा जाये तो उष्णकटिबंधीय वनों में किये जा रहे वृक्षारोपणों में बड़े-बीजों वाली प्रजातियाँ 25 से 30 साल देर से आती हैं और वन्यजीवों की कमी से इनका विकीर्णन व पुनरुत्पादन सीमित या समाप्त हो जाता है। भारत में हुये अध्ययन भी सिद्ध करते हैं कि बिगड़े वनों के पुर्स्थापन की सफलता उस क्षेत्र पर बड़े वृक्षों की संख्या पर भी निर्भर करती है (देखें, पी. देवीदर इत्यादि, करंट साइंस, 92(6): 805-811, 2007)।

> **बिगड़े वनों की बहाली हेतु जैव-विविधता में शुरुआती निवेश सर्वोच्च प्राथमिकता है। पहले से उग रहे काष्ठीय पौधे तथा प्राचीन बड़े वृक्षों को बचाने से वृक्षारोपण की बहु-क्रियात्मकता तेजी से बढ़ती है। इससे जैव-विविधता में सुधार, कार्बन संचय में बढ़ोत्तरी और लोगों की आजीविका में सुधार होना सुगम होता है।**

बरगद कुल के वृक्ष उष्णकटिबंधीय पारिस्थितिक तंत्र के महत्वपूर्ण की-स्टोन घटक माने जाते हैं। इस कुल में बरगद, पीपल, गूलर, पाकर आदि राजस्थान में मिलते हैं। ये वृक्ष अनेक प्रजातियों के बीज विकीर्णक पक्षियों,चमगादड़ों आदि को आकृष्ट करते हैं क्योंकि बरगद कुल के फल पौष्टिक और कैल्शियम की बेहतर मात्रा वाले होते हैं। विकीर्णकों को आकृष्ट करने के कारण अन्य प्रजातियों की तुलना में फारेस्ट रेस्टोरेशन को बेहतर करने में अधिक प्रभावी होते हैं। भारत में हुये एक अध्ययन में 207 बिखरे हुये बरगद के वृक्षों के नीचे और आसपास उगने वाले पौधों के समुदायों का अध्ययन किया गया साथ ही समीप में अन्य प्रजाति के पेड़ों के लिये आंकड़े एकत्र किये गये। शोध में साफ़ हुआ कि अन्य प्रजाति के वृक्षों के आसपास पाई गयी 79 प्रजातियों की तुलना में बरगद के आस-पास अधिक पौध-प्रजातियां थीं जिनकी संख्या 140 थी। बरगद के आसपास पौधों का घनत्व भी दोगुना अधिक था (देखें, एच.ई.डब्ल्यू. कोटी-जोंस इत्यादि, बायोट्रोपिका, 48(3): 413-419, 2016)।

विविध प्रजातियों के बड़े वृक्ष, और विशेष रूप से बड़े बरगद के वृक्ष, वनों के पुनर्स्थापन को बढ़ाने में प्रभावी भूमिका निभाते हैं, इसलिये इनके संरक्षण को रोपण क्षेत्रों के आसपास प्राथमिकता दिया जाना चाहिये। जहाँ ये वृक्ष नहीं हैं वहां डंडारोपण (स्टेक प्लांटिंग) द्वारा शल्लकी (सालर), वनखड़ा, सेमल, पीपल, बरगद, पीपली (फाइकस एम्प्लीसीमा), गधा-पलाश, गूलर, गुग्गुलु, संदेशड़ा, सहजन आदि की 30 बड़ी वेजीटेटिव कटिंग प्रति हेक्टेयर, जिनमें कम से कम 4 बरगद कुल की कटिंग भी हों, ताकि प्रारंभ में रोपित डंडे बीज विकीर्णन करने वाले पक्षियों को उड़कर बैठने का स्थान दे सकें, और अपनी लम्बाई के कारण खर-पतवार को मात देकर आगे चलकर स्वयं वृक्ष का रूप लेकर क्षेत्र के पुनरुत्पादन में बेहतरी ला सकें। ध्यान यह देना है कि डंडारोपण के समय जमीन पर उल्टा नहीं गाड़ें और निचले हिस्से में एकाध चीरा मारकर थोर का दूध लगा दें तो जड़ें शीघ्रता से फूटती हैं (देखें, डी.एन. पाण्डेय, इंस्टेंट ट्रीज़: स्टेक प्लांटिंग इन अ नटशेल, 2017)।

प्राकृतिक वनों में नुकसान का स्तर, नुकसान में वनों की संरचना, विविधता एवं क्रियात्मकता को हुआ नुकसान, बीज उत्पन्न करने वाले विभिन्न प्रजातियों के प्राचीन बड़े वृक्षों की हानि, त्रिस्तरीय वानस्पतिक विविधता को हानि, मिट्टी का कटान, और थोड़ी-बहुत स्थानीय प्राकृतिक वनस्पति का आंकलन आवश्यक है। यदि बची-खुची वनस्पति या रेमनैंट वेजीटेशन है तो उसकी विविधता का आंकलन आवश्यक है। अगर किसी प्रजाति विशेष में रीजेनरेशन नहीं है और और बड़े वृक्षों का विदोहन हो गया है तो उस प्रजाति को पुनरुत्पादित कराने के लिये विशेष प्रयत्न करने होंगे। अगर पुनरुत्पादन रुक गया है तो एक्टिव रेस्टोरेशन की तमाम विधियों का प्रयोग करना आवश्यक हो जाता है। अगर सक्सेशन रुका नहीं है और क्षेत्र में प्रजाति विविधता का बहुत अधिक नुकसान नहीं हुआ है तथा समस्त स्थानीय प्रजातियों के बीज उत्पन्न करने वाले पौधे, झाड़ियां और वृक्ष उपलब्ध हैं, तो चराई, कटाई और आग से सुरक्षा ही अपने आप में पर्याप्त हो जाती है और प्राकृतिक पुनरुत्पादन को बढ़ावा देने (असिस्टेड नेचुरल रीजेनरेशन) की विधियां काम कर सकती हैं। ध्यान यह रखना है कि अंततः जैव-विविधता प्राकृतिक वनों की तरह हो जाये, कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन की दर प्राकृतिक वनों के बराबर हो जाये, और लोगों को मिलने वाले आजीविका से संबंधित लाभ भी प्राकृतिक वनों के स्तर तक पहुंच जायें। ऐसा तभी संभव है जब पूर्ण रूप से क्रियात्मक पारिस्थितिक तंत्र की संरचना खड़ी हो जाये। कुल मिलाकर पारिस्थितिक, आर्थिक एवं सामाजिक तंत्र में प्रकृति-आधारित समाधान क्रियान्वयन करना आवश्यक हो जाता है (देखें, डी.एन. पाण्डेय, करंट साइंस, 83(5): 93-602, 2002)।

सबसे महत्वपूर्ण कारक यह है कि जिन कारणों से वह वन नष्ट हुये हैं उन कारणों को समाप्त करना आवश्यक है। इसमें चराई, कटाई, आग इत्यादि शामिल हैं। यह एक वैश्विक वास्तविकता है कि वर्ष 1930 से लेकर और वर्ष 1980 के बीच उष्णकटिबंधीय वनों का वह क्षेत्र बिल्कुल निर्वनीकृत कर दिया गया जो उपजाऊ समतल भूमि में था और जिनमें बहुत बड़े-बड़े वृक्षों वाले वन उपलब्ध थे। असल में वन-विनाश का सबसे बड़ा कारण यह था कि उष्णकटिबंध में वर्ष 1980 से 2000 के बीच 55 प्रतिशत से अधिक खेती की नई भूमि अक्षुण्ण वनों व 28 प्रतिशत खेती की भूमि बिगड़े वनों से आई। (देखें, एच.के. गिब्ब्स इत्यादि, प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द नेशनल अकैडमी ऑफ़ साइंसेज यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका, 107 (38) 16732-16737, 2010)। इन सभी कारकों को आप बायोटिक फैक्टर्स कह सकते हैं।

इन सबके अतिरिक्त क्षेत्र में एबायोटिक फैक्टर्स भी महत्वपूर्ण होते हैं। अब प्रायः पोषक तत्वों की कमी वाली मिट्टी व पहाड़ी क्षेत्रों में ही वन उपलब्ध हैं। यह स्थिति केवल भारत की नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व की है। कठिन पहाड़ी पथरीले क्षेत्रों में प्राकृतिक पुनरुत्पादन को बढ़ावा देना एक बहुत बड़ी चुनौती है। उष्णकटिबंधीय शुष्क वनों में मिट्टी के पोषक तत्वों की कमी और पानी की कमी दोनों इतने महत्वपूर्ण कारक हैं कि इनका उचित प्रबंध नहीं होने पर वृक्षारोपण में सफलता का प्रतिशत बहुत कम हो जाता है। भारत में जल एवं मृदा संरक्षण की विभिन्न विधियां क्रियान्वित की जाती हैं और उनके अच्छे प्रभाव दिखाई पड़ते हैं। ऐसी स्थिति में फैसिलिटेशन का लाभ लेकर वृक्षारोपण क्षेत्रों में प्राकृतिक पुनरुत्पादन में बढ़ावा देना आवश्यक हो जाता है। थूर की झाड़ियों के मध्य पक्षियों द्वारा विकीर्णित वृक्ष प्रजातियों के बीजों का उगना या विकीर्णन में कमी होने पर बीजों की सीधी बुवाई के माध्यम उगाना राजस्थान में फैसिलिटेशन का सबसे आसानी से दृष्टिगोचर होने वाला एक उदाहरण है।

भारत में उष्णकटिबंधीय शुष्क वनों के पुनर्स्थापन हेतु जो मॉडल्स बनाये गये हैं उनमें इन सब बातों का ध्यान रखा गया है। समस्या मॉडल्स की नहीं, बल्कि क्रियान्वयन, मूल्यांकन और प्रबोधन की है। वृक्षारोपण में जैव-विविधता बढ़ाना आवश्यक है, अन्यथा मात्र दो-चार प्रजातियों का रोपण करने से भविष्य में आने वाली वन संरचना, जैव-विविधता, कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन और स्थानीय लोगों की आजीविका को सुदृढ़ कर पाने के लिए समर्थ नहीं रहेगी। बड़ी-बीज वाली प्रजातियों का विकीर्णन वन्य-प्राणियों पर निर्भर होने के कारण प्रायः सीमित होता है। जहाँ से वन्य-प्राणियों की प्रजातियाँ समाप्त हो गयी हैं वहां पुनर्स्थापन हेतु बड़े बीजों वाली प्रजातियों की सीधी-बुवाई और पौधारोपण भी आवश्यक है (देखें, डी.एन.पाण्डेय, करंट साइंस, 83(7):792-793, 2002; ए. डि सैको इत्यादि, ग्लोबल चेंज बायोलॉजी, 27: 1328-1348, 2021; एम. इलिआस इत्यादि, रेस्टोरेशन इकोलॉजी, ई.13574, 2021 भी देखें)।

इस विश्लेषण में पाये गये तथ्यों का कुल मिलाकर निचोड़ यह है कि बिगड़े वनों की बहाली हेतु जैव-विविधता में शुरुआती निवेश सर्वोच्च प्राथमिकता है। पहले से उग रहे काष्ठीय पौधे तथा प्राचीन बड़े वृक्षों को बचाने से वृक्षारोपण की बहु-क्रियात्मकता तेजी से बढ़ती है। इससे जैव-विविधता में सुधार, कार्बन संचय में बढ़ोत्तरी और लोगों की आजीविका में सुधार होना सुगम होता है। इन निष्कर्षों का प्रायोगिक तात्पर्य क्या है? उष्णकटिबंधीय शुष्क वनों में अंकुरण और छोटे पौधों की बढ़त नमी की कमी से दुष्प्रभावित होती है। बची-खुची वनस्पति के कारण छाया वाले स्थान बिजौलों के लिये सुरक्षित स्थल बन जाते हैं क्योंकि यहाँ नमी बची रहती है। पूर्व से उपलब्ध काष्ठीय वनस्पति का आवरण सभी प्रकार के उष्णकटिबंधीय वनों की प्रजातियों के लिये बीज-अंकुरण को बढ़ाता है, लेकिन उष्णकटिबंधीय शुष्क वनों, जहाँ पानी की उपलब्धता मानसून के कुछ महीनों तक ही रहती है, में अंकुरण और बिजौलों की शुरुआती बढ़त के लिये पुराने वृक्षों और काष्ठीय वनस्पति का आवरण अति महत्वपूर्ण संसाधन है। वृक्षारोपण करते समय समठाता में वन पुनर्स्थापन की सभी रणनीतियों का क्रियान्वयन एक साथ करना चाहिये और इसमें बड़े वृक्षों और काष्ठीय वनस्पति का संरक्षण और संवर्धन अवश्य करना चाहिये।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

वित्तीय बजट से सदैव दूरगामी आशाएँ ही रखनी चाहिए

डॉ पी एस वोहरा

मोदी सरकार द्वारा आगामी वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए एक फरवरी को मुल्क की संसद में पेश किया बजट अब विश्लेषण के दौर से गुजर रहा है। हर प्रतिक्रिया का आधार मुल्क का विकास तथा व्यक्तिगत आर्थिक आशाएं है। इसलिए बजट को नापसंद करने वालों की प्रतिक्रिया भी सही है तथा इसे सही बताने वालों की प्रतिक्रिया भी गलत नहीं लगती है। लगभग हर एक आमजन बजट चर्च में सम्मिलित दिखाई दे रहा है। इसी परिपेक्ष्य में अगर 15 या 20 वर्ष पूर्व की तुलना में अब आमजन अपनी विश्लेषणात्मक राय बड़े ही रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत कर रहा है। यकीनन इस संबंध में मीडिया व सोशल मीडिया की शक्ति भी निहित दिखती प्रतीत होती है।

वित्तीय बजट से एक दिन पूर्व प्रस्तुत आर्थिक सर्वे के अंतर्गत अगले वित्तीय वर्ष के लिए 8 से 8.5 प्रतिशत की विकास दर को सोचा गया है। इसलिए बजट से एक दिन पूर्व ही यह प्रतीत होने लग गया था कि बजट में आर्थिक नीतियों का फोकस दूरगामी विकास पर ही होगा तथा इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट मुख्य प्राथमिकता में रहेगा और अगले दिन वास्तव में यह सब ही देखने को मिला। विश्लेषणात्मक आधार पर यह कहना जायज होगा कि 8 से 8.5 प्रतिशत की विकास की दर वाली भारत की अर्थव्यवस्था को एक दूरगामी सोच ही रखनी होगी। एक नया पक्ष यह देखने को मिला कि सरकार ने इस बार आर्थिक विकास की बागडोर इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ टेक्नोलॉजी क्षेत्र को भी दी है।

इसी सोच को लेकर चलते हुए सरकार ने अपनी पूंजीगत खर्चे को 35.4 प्रतिशत से बढ़ाया है तथा 7.5 लाख करोड़ रुपए का आवंटन विभिन्न योजनाओं के लिए किया है। पूंजीगत खर्चों का इतना बड़ा आवंटन भविष्य के प्रति उत्साहजनक सोच को दिखाता है। इन सब का अंतिम परिणाम एक आम आदमी को ही मिलेगा। इस खर्चे के माध्यम से जहां एक तरफ छोटे शहरों में 80 लाख नए मकान बनेंगे तो वहीं दूसरी तरफ पब्लिक ट्रांसपोर्ट भी आएगा। 20000 किलोमीटर के राष्ट्रीय राजमार्ग भी बनेंगे जो तीव्र आर्थिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। 400 नई रेलों से रेलवे का भी विकास किया जाएगा।

पूंजीगत खर्चों का एक बहुत बड़ा भाग डिजिटलाईजेशन के लिए टेक्नोलॉजी के विकास पर भी उपयोग होने वाला है जिसमें गाँवों में इंटरनेट की अच्छी स्पीड देने के लिए पीपीपी के माध्यम से फाइबर ऑप्टिकल लगाना एक बहुत ही अच्छी सोच का प्रतीक है। इसके माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में तेजी आएगी तथा कृषि क्षेत्र में भी इसका एक सकारात्मक पक्ष देखने को मिलेगा। मुल्क में इसी वर्ष इंटरनेट के लिए 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी व आवंटन भी होगा। इसके माध्यम से सर्विस सेक्टर में एक नई तेजी देखने को मिलेगी। टेक्नोलॉजी के विकास के माध्यम से सरकार ने बैंकिंग क्षेत्र में भी आमूलचूल परिवर्तन को प्राथमिकता में रखा है तथा इसमें मुख्य फोकस ग्रामीण अर्थव्यवस्था का व्यक्ति है। इस सोच के अंतर्गत सरकार ने 1,50,000 पोस्ट ऑफिस को बैंक में परिवर्तित करने का आधार बनाया है तो वहीं पर 75 नए डिजिटल बैंकों की घोषणा भी एक नई सोच को इंगित करती है। इस सुविधा के माध्यम से एक ग्रामीण व्यक्ति को विभिन्न प्रकार के आर्थिक फायदे डिजिटल बैंकिंग के माध्यम से मिलेंगे।

इसके अलावा बजट में सरकार का कोई और फोकस आमूलचूल परिवर्तन करने के उद्देश्य से नहीं दिखा है। सबसे बड़ी निराशा बेरोजगारी के पक्ष पर देखने को मिली। जनवरी माह तक चालू वित्तीय वर्ष में बेरोजगारी की औसतन दर 8 प्रतिशत से अधिक रही है। 7 राज्यों में तो यह 10 प्रतिशत से अधिक रही। विभिन्न रिपोर्टों के आंकड़े यह लगातार बता रहे हैं कि आर्थिक विषमता समाज में बहुत तेजी से बढ़ रही है तथा इसका मुख्य कारण बेरोजगारी ही है। यह ठीक है कि पूंजीगत खर्चों की बढ़ोतरी का अंतिम परिणाम समाज में विभिन्न तरह के रोजगार सुविधाओं की उपलब्धता होगा पर यह सब भविष्य के गर्त में है। वर्तमान में तो मात्र आर्थिक संघर्ष ही है।

बजट में वर्तमान प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में परिवत्रन नहीं कर शायद सरकार की यह सोच रही होगी कि द्वितीय लहर के बाद अर्थव्यवस्था में जो तेजी आई वो एक आम आदमी के जीवन में भी आई होगी। वास्तविकता में स्थिति बिल्कुल विपरीत है। लगातार बढ़ रही महंगाई इसका एक सबसे बड़ा विकट कारण है।

आम आदमी जो कि इस मुल्क की 70 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, वह जीएसटी की 5,12,18 प्रतिशत के स्लैब में भी कुछ कमी चाहता था ताकि दिन-प्रतिदिन की गुजर-बसर की चीजें व खाद्य पदार्थ कुछ सस्ते हों पर वह सब भी नहीं हुआ। हां, सरकार ने डिजिटल करेंसी इन्वेस्टमेंट पर 30 प्रतिशत का टैक्स लगाकर भ्रष्टाचार पर अपनी पकड़ को मजबूत बनाने का प्रयास किया है पर शायद सरकार यह भूल गई कि आम आदमी को यह पता ही नहीं है कि क्रिप्टो करेंसी भी कोई चीज है। और उसमें निवेश तो बहुत दूर का ख्याल है। आयकर के संठाहण को बढ़ाना सरकार का एक उद्देश्य दिखा है इसीलिए शायद करदाता को 2 वर्षों तक टैक्स से चूक गई आय की घोषणा को दिखाने की सुविधा दी गई है। दिव्यांगों को आयकर में सुविधा निश्चित रूप से एक बहुत बड़ा सकारात्मक पक्ष है। वहीं पर आयकर निवेश की सीमा में मात्र 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी का परिवर्तन न्यू पेंशन स्कीम में किया गया है।

निराशा कृषि क्षेत्र को लेकर भी रही है। बजट से पूर्व प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण में चालू वित्तीय वर्ष के लिए कृषि क्षेत्र की विकास दर 4 प्रतिशत से कम रही है इसके बावजूद बजट में इस क्षेत्र के लिए कुछ बहुत उत्साहजनक नहीं पाया गया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा जनसंख्या का 50 प्रतिशत से अधिक भाग कृषि पर ही निर्भर है इसलिए इस क्षेत्र के लिए आमूलचूल परिवर्तन ना होना निराश कर रहा है। एमएसपी के लिए 2.37 लाख करोड रुपए की रकम का आवंटन किया गया है जो काफी बढ़िया निर्णय है परंतु एमएसपी को कानूनी जामा पहनाने की कोशिश नहीं की गई है। वहीं पर कृषि क्षेत्र में बढ़ रही लगातार लागत को नियंत्रण करने हेतु जीएसटी की दरों में बदलाव नहीं किया गया है, जो एक किसान के लिए फिर से परेशानी है।

चिकित्सा सुविधाओं पर हमारे मुल्क में पिछले वित्तीय वर्ष तक जीडीपी का 2 प्रतिशत से कम खर्च होता था। धरातल पर हकीकत यह भी है कि गाँवों व छोटे शहरों में सरकारी क्षेत्रों की चिकित्सा सुविधा का बहुत बुरा हाल है। आम आदमी की यह एक सर्वमान्य सोच है कि अच्छी चिकित्सा सुविधा महंगी है। इस बजट से चिकित्सा में रिसर्च एंड डवलपमेंट को बढ़ाया जाएगा तथा आम व्यक्ति को चिकित्सा की मूलभूत सुविधाएं अच्छे स्तर पर प्राप्त होंगी, यह सबकी आशा थी।

अंतिम पक्ष निराशा का यह भी रहा है कि पेट्रोल, डीजल व रसोई गैस को उत्पाद शुल्क व वेट से हटाकर जीएसटी के दायरे में नहीं लाया गया है जिस कारण आम व्यक्ति की यह सोच बरकरार है कि इनके मूल्यों में लगातार बढ़ोतरी होती रहेगी।

फिर भी प्रत्येक व्यक्ति को एक सकारात्मक सोच रखनी चाहिए कि आर्थिक नीतियां मुल्क के विकास के लिए ही बनती है तथा मुल्क के विकास का भागीदार वो खुद भी है। बजट अगर दूरगामी सोच रखता है तो निश्चित रूप से हमारी आने वाली पीढ़ियां तो आर्थिक रूप से सुरक्षित रहेंगी तथा उनके जीवन में संघर्ष कम रहेगा।

डॉ पी एस वोहरा
आर्थिक मामलों के जानकार

मां की सीख काम आई, एक बीघा में बेर की खेती कर कमाए 1.5 लाख रूपये

ऑस्ट्रेलियन, कश्मीरी एप्पल बेर के 400 पेड़ मंगवाए और जमीन में लगाए

थानागाजी, (निसं)। थानागाजी कस्बे के समीपवर्ती ग्राम पंचायत द्वारापूर के रहने वाले राकेश कुमार की पुश्तैनी जमीन द्वारापूर ग्राम के बीचों-बीच स्थित है जो सिंचित जल के अभाव में बेकार पड़ी थी। खेती बाड़ी की जमीन की यह दुर्दशा देख कर इनकी मां कोयली देवी को बड़ी पीड़ा होती थी। मां का मन हमेशा जमीन से फसल पैदा करने का रहता था लेकिन पानी के अभाव में सब कुछ बेकार था। दो बार बोरवेल भी खुदवाया जिनमें पानी सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में नहीं मिला।

- **लोकल मंडी सहित आस-पास के खुदरा विक्रेताओं को बेचा प्रोडेक्ट**
- **आर्गेनिक कृषि कर एक बीघा जमीन से पहले बरस कमाये 1.5 लाख रुपए**

थानागाजी की पंचायत द्वारापूर में राकेश ने उगाई बेर की फसल।

इसके बाद राकेश ने थानागाजी कृषि पर्यवेक्षक राजेंद्र सिंह बैंस से संपर्क किया एवं कम पानी में पैदा होने वाली फसलों के बारे में जानकारी ली। राजेंद्र सिंह ने जमीन की उर्वरकता एवं पानी की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए बेर की खेती करने का सुझाव दिया। जिस पर इन्होंने कोलकाता स्टेट नर्सरी से संपर्क किया एवं वहां से ऑस्ट्रेलियन, कश्मीरी एप्पल बेर के 400 पेड़ मंगवाए और जमीन में लगाए तथा खाद और उर्वरक के नाम पर घर के पालतू पशुओं के गोबर खाद से वर्मी कंपोस्ट, और जीवामृत तैयार कर पौधों में दिया एवं सिंचाई के लिए ड्रिप इरीगेशन तकनीक काम में ली। जिसका परिणाम यह रहा की पहले साल में बेर का उत्पादन औसत से अधिक रहा। जिसको यहां की लोकल मंडी सहित आस-पास के खुदरा विक्रेताओं को बेचना शुरू किया एवं साथ ही अन्य लोगों को एप्पल बेर के पौधे बंजर भूमि में लगवाये। एवं खुद की नर्सरी विकसित की।

जिससे इन्हें पहले साल में लगभग डेढ़ लाख रुपए का मुनाफा मिला।अब खेत में बेर की अच्छी पैदावार होने से वृद्ध मां सुबह से शाम पेड़ों की देखरेख में लगी रहती है। अब स्वयं राकेश अन्य किसानों को भी इस तरह की कम पानी वाली जैविक खेती के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस के जूनियर वर्ग में बीकानेर संभाग का प्रतिनिधित्व करेंगी छात्रा चेतना नाई

छात्रा अपने प्रोजेक्ट 'छत पर कृषि' को प्रस्तुत करेगी

प्रोजेक्ट के राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होने पर विद्यालय परिवार द्वारा मार्गदर्शक शिक्षक विमलेश चन्द्र, बाल वैज्ञानिक चेतना नाई एवं प्रेरणा शर्मा का विद्यालय स्टाफ ने अभिनन्दन किया।

सादुलपुर, (निसं)। राजकीय मोहता बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय राजगढ (चूरू) की कक्षा 10वीं की छात्रा एवं बाल वैज्ञानिक चेतना नाई एवं प्रेरणा शर्मा मार्गदर्शक शिक्षिक विमलेश चन्द्र के निर्देशन में 29वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में जूनियर वर्ग में बीकानेर संभाग का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करेंगी।

प्रधानाचार्य डॉ. सुमन जाखड़ ने बताया कि बाल वैज्ञानिक चेतना नाई एवं प्रेरणा शर्मा ने चूरू जिले का ही नहीं बल्कि बीकानेर संभाग का राष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराया है। दोनों ही छात्राएं मार्गदर्शक शिक्षक विमलेश चन्द्र के मार्गदर्शन में 15 फरवरी को वर्चूअल मोड पर होने वाली 29वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में अपने प्रोजेक्ट 'छत पर कृषि' को प्रस्तुत करेंगी। जयपुर से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा शनिवार को इस प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय स्तर के लिए चुना गया। यह प्रोजेक्ट एक सामाजिक नवाचार है जो वर्तमान समय में बहुत ही महत्वपूर्ण है। प्रोजेक्ट के राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होने पर विद्यालय परिवार द्वारा मार्गदर्शक शिक्षक विमलेश चन्द्र, बाल वैज्ञानिक चेतना नाई एवं प्रेरणा शर्मा का अभिनन्दन किया गया एवं मुंह मीठा करवाया गया तथा अग्रीम शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर स्टाफ सचिव शमशेर खान, सुमित्रा चौधरी, अनिता चौधरी, ईश्वरसिंह, सुमेर सिंह, नवाब खान, द्रोपदी, शंकुन्तला राधा, महेश व ओमप्रकाश आदि उपस्थित थे।

राशिफल रविवार 6 फरवरी, 2022

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2078, रेवती नक्षत्र सांय 5:10 तक, साध्य योग सांय 4:51 तक, कौलव करण सांय 4:12 तक, चन्द्रमा सांय 5:10 पर मेष राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मकर, चन्द्रमा-मीन, मंगल-धनु, बुध-मकर, गुरू-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सांय 5:10 से सूर्योदय तक है। रवियोग दिन 1:24 तक है और सांय 5:10 से पुनः आरम्भ होगा। पंचक सांय 5:10 तक रहेंगे।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 8:36 से 9:57 तक, लाभ-अमृत 9:57 से 12:00 तक, शुभ 2:03 से 3:24 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:14, सूर्यास्त 6:08

मेष

अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मिथुन

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

कर्क

परिवार में शुभ-धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

सिंह

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा।

कन्या

परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बनने लगेंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

तुला

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

वृश्चिक

महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आवश्यक कार्यों से संबंधित प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

धनु

पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं। सुख-सुविधाओं में कमी आयेगी। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

मकर

आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मित्रों/रिश्तेदारों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कुंभ

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन

मनःस्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव दूर होगा। महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। शुभ-मांगलिक कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 16 संख्याः 300 प्रभात जालोर, रविवार 6 फरवरी, 2022 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

पश्चिम अफ्रीका में एक छोटा सा देश है बैनीन, जिसकी नोका झील में बसा है एक अनोखा गांव, गैनवी। अफ्रीका का लट्ठों पर बसा यह सबसे बड़ा गांव है। झील के बीच में लकड़ी के खंभों पर बने घरों में आज करीब 20,000 लोग रहते हैं। गांव बसने की भी एक रोचक गाथा है। सत्रहवीं सदी में अफ्रीका में पुर्तगालियों का ''स्लेव ट्रेड'' जोरों पर था। इसी समय टोफीनो नाम की एक जनजाति ने गुलाम बनाने वालों से बचने के लिए लेक नोका पर गांव बसा लिया। गुलाम बनाने वाले लोग फोन जनजाति के थे। वो अपने शत्रुओं को पकड़कर गुलामों के व्यापारियों को बेच दिया करते थे। फोन जनजाति के लोग झील को पवित्र मानते थे और झील पर युद्ध करना उनकी धार्मिक आस्थाओं के विरूद्ध था। इसलिए यह झील टोफीनो जनजाति के लिए अति सुरक्षित स्थान बन गई। अब 500 सालों में झील के ऊपर एक पूरी संस्कृति विकसित हो गई है। अब तो इस गांव में दुकानें, रैस्राँ, ब्यूटी पार्लर और स्कूल भी खुल गए हैं। गांव के लोग आय के लिए मछली पकड़ने व पर्यटन पर निर्भर हैं।

क्या यू.पी. में चुनावी दंगल केवल भाजपा व सपा के बीच ही है?

भाजपा के मीडिया मैनेजमैंट टीम की, यह ही दर्शाने की कोशिश है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5फरवरी। उत्तर प्रदेश के, सात चरणों में होने वाले चुनावी दंगल के पहले चरण में मात्र पाँच दिन बचे हैं। देश के इस सबसे बड़े राज्य, जिसे राष्ट्रीय सत्ता की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है, में अपनी सत्ता बरकरार रखने के लिये भाजपा भले-बुरे सभी तरीकों को काम में ले रही हैं।

10 फरवरी को होने वाले मतदान के पहले चरण में बेरोज़गारी, व आमदनी व नौकरियाँ खत्म होना, कोविड से हो चुकी मौतें तथा किसान-आंदोलन जैसे मुद्दे ज़ोर पर हैं, किन्तु हर संभव अवसर पर साम्प्रदायिक मुद्दे को उठाकर भाजपा इन सभी मुद्दों को निष्प्रभावी करने की कोशिश कर रही है। पहले चरण में, 11 जिलों की जिन 58 विधानसभा सीटों पर दाँव लगा हैं, वे भाजपा के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

जन-आक्रोश दबा हुआ है, नज़र नहीं आ रहा, किन्तु हिचक और डर से यह आक्रोश स्वत: ही अभिव्यक्त हो रहा है। लोगों से कुछ देर तक बात की जाये, तो निश्चित रूप से उनका दबा हुआ आक्रोश फूटने लगता है तथा वो कहने लगते हैं- ''हमारे साथ धोखा हुआ है'' या ''योगी सरकार ने हमें और गरीब कर दिया।''

- **इस को राष्ट्रीय मीडिया का भी पूर्ण समर्थन व सहयोग मिल रहा है।**
- **दो पार्टी की दौड़ साबित करके, भाजपा चाहती है कि, अंत में साम्प्रदायिक वातावरण बनाया जाये, जिससे हिन्दू मुस्लिम ध्रुवीकरण हो तथा हिन्दू भाजपा के पक्ष में आ जाऐं व मुस्लिम सपा की तरफ, और भाजपा जीत जाए।**
- **पर, यह प्रयास इस बार सफल होता नज़र नहीं आ रहा। बसपा तथा कांग्रेस के उम्मीदवार जमीन पर काफी असरदार नज़र आ रहे हैं और भाजपा का मनचाहा संतुलन शायद नहीं बन पायेगा।**
- **प्रथम मतदान 10 फरवरी को है तथा सभी तरफ से धुआंधार प्रचार चल रहा है। पर इस शोर-शराबे में एक बात तो निश्चित है कि, भाजपा पिछले चुनाव का नतीजा तो कतई दोहरा नहीं पायेगी।**

रोज़ाना कमाने-खाने तथा फल-सब्जी आदि बेचकर अपनी आजीविका चलाने वाले लोग कहते हैं कि, उनकी दैनिक बिक्री आधी रह गई है।

हालाँकि, मीडिया-रिपोर्ट्स तो केवल भाजपा तथा एस.पी.-आर.एल.डी. गठबंधन पर ही केन्द्रित रहती हैं, लेकिन न तो बसपा को खारिज किया जा सकता है और न कांग्रेस को, क्योंकि दोनों की ही 2017 की अपेक्षा बेहतर स्थिति में उभरने की संभावनाएं हैं। ऐसा लगता है कि, भाजपा की मीडिया प्रबंधन टीमों का यह एक सुनियोजित एवं सोचा समझा प्रयास है कि, एस.पी.-आर.एल.डी. पर ही फोकस किया जाये, ताकि संभावित साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के लिये हिन्दू-मुस्लिम मुद्दे को उठाया जा सके। लेकिन बड़ी संख्या में लोगों से बात करने पर सामने आया है कि, भाजपा की ये कोशिशें उसे इच्छित परिणाम नहीं दे रही हैं क्योंकि अन्य पार्टियों को लेकर भी काफी उत्साह एवं चहल-पहल है।

इस जबरदस्त प्रचार-प्रसार की तह तक जाना बड़ा मेहनत का काम है, जिसके अन्तर्गत, राष्ट्रीय अखबार भाजपा और सपा के बीच सीधा मुकाबला बता रहे हैं, जबकि जमीन पर यह दिखाई नहीं दे रहा, क्योंकि अन्य दलों के उम्मीदवार भी आशा-प्रत्याशा से परिपूर्ण प्रतीत हो रहे हैं।

हालाँकि, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने आज कहा कि, (राज्य सरकार के प्रति) उत्तर प्रदेश की जनता की नाराजगी को देखते हुए, इन चुनावों में एस.पी.-आर.एल.डी. गठबंधन को 403 विधानसभा सीटों में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब में कांग्रेस के नेता आपस में ज्यादा लड़ रहे हैं, बनिस्पत विपक्ष से

चन्नी के नाम की घोषणा की भारी संभावना होने से, ये लड़ाईयां और प्रखर हुईं

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5फरवरी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा, पंजाब के लिये पार्टी के मुख्यमंत्री उम्मीदवार की घोषणा किये जाने से एक दिन पहले पंजाब कांग्रेस की कमजोरियाँ सामने आ गई हैं। पार्टी नेतृत्व ने जी-23 नेता मनीष तिवारी तथा गुलाम नबी आज़ाद को स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल नहीं किया है।

- **कांग्रेस ने गुलाम नबी व मनीष तिवाड़ी के नाम को स्टार प्रचारक की सूची से हटाया।**
- **पंजाब की 40 प्रतिशत जनता हिन्दू है, अतः दोनों सैक्युलर नेताओं का नाम हटने से हिन्दू वोट पर असर पड़ेगा। गुलाम नबी पंजाब के प्रभारी रहे हैं तथा मनीष पार्टी का एक मात्र हिन्दू सांसद है।**
- **सिद्धू, जाखड़ व चन्नी की परस्पर विरोधी बयानबाजी भी घटने का नाम नहीं ले रही।**

जहाँ, चुनाव-पूर्व के सर्वे सत्तारूढ़ कांग्रेस तथा अरविन्द केजरीवाल की आप के बीच कड़े संघर्ष की भविष्यवाणी कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस, मुख्यमंत्री पद के तीन आकांक्षियों - चरणजीत सिंह चन्नी, नवजोत सिंह सिद्धू तथा सुनील जाखड़ के बीच चल रही अनबन के कारण अपनी स्थिति नहीं संभाल पा रही है। ये तीनों नेता एक-दूसरे पर कटाक्ष करने में लगे हुये हैं। चन्नी का कहना है कि, पिछले 100 दिन में उन्होंने जो काम किए हैं उनके आधार पर वे इस शीर्ष पद पर एक और अवसर पाने के हकदार हैं। सन् 2018 के बजरी खनन के केस में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई चन्नी के भतीजे भूपिन्दर सिंह हनी की गिरफ्तारी के बाद सिद्धू ने कहा कि, भ्रष्ट लोग, जैसे ''बजरी माफिया'' से जुड़े लोग, राज्य का विकास नहीं कर सकते। उन्होंने आगे कहा कि, केन्द्रीय नेतृत्व मुख्यमंत्री के रूप में किसी ''कमजोर व्यक्ति'' को आगे लाना चाहता है।

इसी बीच, जाखड़ ने कहा है कि, कैप्टन अमरिन्दर सिंह को हटाये जाने के बाद, वे इस पद के सर्वोत्तम दावेदार थे क्योंकि उन्हें 42 पार्टी विधायकों का समर्थन हासिल था, जबकि चन्नी के समर्थन में केवल दो विधायक ही थे। मतदान की तिथि, यानि 20 फरवरी में, मात्र एक पखवाड़े का समय बचा है, किन्तु इस समय भी ऐसा प्रतीत हो रहा है कि, राज्य कांग्रेस पार्टी के अंदर ही संघर्षरत है।

एक ऐसे राज्य में, जहाँ हिन्दू कुल मतदाताओं के 40 प्रतिशत हैं, आज़ाद और तिवारी जैसे नेताओं की गैर मौजूदगी भी पार्टी के लिये प्रतिकूल प्रभाव पैदा करती प्रतीत हो रही है। आज़ाद पार्टी के वरिष्ठतम नेताओं में हैं तथा पूर्व में वो राज्य के महासचिव प्रभारी भी रह चुके हैं। दूसरी तरफ, तिवारी पार्टी के एक मात्र हिन्दू सांसद हैं, जो आनन्दपुर साहिब सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

20 दिन पहले गायब हुए टाइगर एस.टी.-13 का सुराग नहीं मिला

अलवर, 5 फरवरी (निसं)। सरिस्का सैंचुरी से 20 दिन पहले गायब हुए टाइगर एस.सी. 13 का अब तक कोई सुराग नहीं लगा है। अब वन विभाग ने टाइगर को ढूढ़ने वाले को इनाम देने की घोषणा की है। इनाम क्या होगा, यह तय नहीं है, लेकिन टाइगर को ढूंढ़ने के लिए विभाग ने 100 कर्मचारियों की टीम जंगल में उतार दी है। यह विभाग की आखिरी कोशिश है। इसके बाद भी यदि टाइगर नहीं मिला तो इसे अन्ततः लापता घोषित कर दिया जाएगा।

दरअसल सरिस्का में 14 जनवरी से टाइगर एसटी -13 गायब है। रेडार पर भी उसकी लोकेशन ट्रेस नहीं हो पा रही है। ऐसे में कई अधिकारी सरिस्का पहुंचे और उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठक ली। उन्होंने टाइगर की तलाश के लिए ग्रामीणों से मदद लेने का ऐलान किया।

- **एस.टी.-13 को ढूंढने के लिए अधिकारियों ने 100 लोगों को जंगल में उतार दिया है। सौ लोगों की 30 टीम बाघ की तलाश कर रही हैं।**

टाइगर एसटी-13 सरिस्का सेंचुरी का सबसे ताकतवर टाइगर माना जाता है। जंगल में सबसे बड़ी टेरेटरी इसी टाइगर की थी। इस टाइगर की 4 टाइग्रेस से मेटिंग हो चुकी थी। टाइगर के शिकार की भी आशंका जताई जा रही है।

सरिस्का बाघ परियोजना के फील्ड

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'प्लॉट नहीं न्याय चाहिए'

अलवर 5 फरवरी (निसं)। मूकबधिर नाबालिग बालिका के लहुलुहान मिलने के मामले का अभी तक खुलासा नहीं कर सकी है। इधर, सरकार व पुलिस प्रशासन के खिलाफ विरोध के स्वर लगातार जारी हैं। शुक्रवार को भाजपा के कार्यकर्ताओं ने अपने खून से लिखा कि ''पीड़ित परिवार को प्लॉट या जमीन नहीं न्याय चाहिए''। कई कार्यकर्ताओं का सीरिंज से खून निकाला गया और फिर एक बड़े कागज पर मुख्यमंत्री के नाम संदेश लिखा गया।

- **भाजपा कार्यकर्ताओं ने सिरिंज से खून निकालकर बड़े कागज पर मुख्यमंत्री के नाम संदेश लिखा।**

अलवर शहर में शहीद स्मारक के सामने विरोध प्रदर्शन जारी है। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने 4 दिन पहले कलैक्टर के निवास पर लिखा था कि 'सरकार की दलाली मत करो-प्लॉट नहीं न्याय चाहिए'। उसके बाद कई कार्यकर्ताओं के खिलाफ राज कार्य में बाधा डालने का मुकदमा दर्ज हो चुका है। उसके बाद अब उन्हीं कार्यकर्ताओं ने खुद के खून से ''बेटी को न्याय दो। प्लॉट या जमीन नहीं''।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या भाजपा अपने शहरी वोट कांग्रेस के पक्ष में ट्रांसफर करेगी?

नवीनतम सर्वे के अनुसार आप, कांग्रेस से आगे है पंजाब में

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 फरवरी। ऐसी आशा की जा रही है कि राहुल गांधी पंजाब के आसन्न विधान सभा चुनावों में पार्टी के मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में चरणजीत सिंह चन्नी के नाम की घोषणा करेंगे।

चन्नी वर्तमान मुख्यमंत्री हैं जिनका चयन राहुल गांधी ने पार्टी को नेतृत्व प्रदान करने के लिये उस समय किया था, जब कैप्टन अमरिन्दर सिंह राज्य के मुख्यमंत्री पद से हटाये गये थे।

राहुल कल पंजाब में एक वर्चुअल सभा को सम्बोधित करेंगे, जहाँ उनसे इस घोषणा की अपेक्षा की जा रही है।

जहाँ, पार्टी यह मानकर चल रही है कि राज्य के दलित वोट, जो कुल मतदाताओं का 34 प्रतिशत हैं, उसकी तरफ आ जायेंगे, वहीं, यह बात भी उल्लेखनीय है कि, चन्नी दो सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं तथा बड़े जोर-शोर से डेरों को अपनी ओर लाने का प्रयास कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि दलितों के बहुत बड़े वर्ग पर इन डेरों का अच्छा-खासा प्रभाव है।

- **पर, आर.एस.एस. का सोच है कि, सीमा पर स्थित संवेदनशील राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार होना देश के हित में नहीं है। संघ के इस सोच का भाजपा पर काफी प्रभाव पड़ा है, अतः शहरी वोट ट्रांसफर करने की बात उठी है।**
- **इसके अलावा पंजाब के बड़े-बड़े सिख घराने भी चन्नी को जिताना चाहते हैं, सिद्धू के मुकाबले। इन घरानों में प्रमुख है, बादल, मजीठिया, अमरिन्दर सिंह।**
- **जैसा कि विदित ही है, यह भी आम चर्चा है कि, राहुल गांधी कल रविवार को एक वर्चुअल रैली में कांग्रेस की ओर से मु.मंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करेंगे।**

चतुष्कोणीय संघर्ष होने के कारण, जहाँ पंजाब की स्थिति स्पष्ट नहीं है, फिर भी ऐसी अपेक्षा की जा रही है कि कल की मुख्यमंत्री चेहरे की घोषणा के बाद, स्थिति काफी कुछ स्पष्ट हो जायेगी तथा यह भी स्पष्ट हो जायेगा कि, ताकतवर तथा दबदबा रखने वाले जाट सिख एक दलित मुख्यमंत्री के प्रति क्या रूख अपनाएंगे।

अभी तक की रिपोर्टों का मानना है कि, आम आदमी पार्टी मतदाताओं के रूख के हिसाब से सबसे आगे है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि आर.एस.एस. ने भाजपा से यह सख्ती से कह दिया है कि पंजाब जैसे संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार होना देश के हित में नहीं है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका चीन की धमकी के सामने झुका

चीन ने धमकी दी कि, अगर अमेरिका ने ''विन्टर ओलम्पिक्स'' का राजनीतिकरण करने की कोशिश की तो, अमेरिका के खिलाफ प्रतिशोधात्मक कार्यवाही चीन भी कर सकता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5फरवरी। बीजिंग में आयोजित हो रहे विन्टर ओलम्पिक्स के राजनीतिकरण के अमेरिका के कथित प्रयासों के बाद चीन उसे अपनी ताकत के बल पर झुकाने में कामयाब रहा है।

राजनीतिक रंग में रंगे बीजिंग ओलम्पिक्स की शुरुआत के कुछ ही घंटों के बाद, अमेरिका की हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने अमेरिका के ओलम्पिक एथलीट्स से शुक्रवार को अनुरोध किया कि वे चीन की सरकार के खिलाफ कुछ ना बोलें।

वाइट हाउस ने गत दिसम्बर माह में घोषणा की थी कि, वह चीन के मानवाधिकार रिकॉर्ड को देखते हुए बीजिंग में अपने कूटनीतिज्ञ नहीं भेजेगा, तथापि अमेरिका के एथलीट्स वहां जा सकेंगे और उन्हें सरकार का पूरा सहयोग मिलेगा।

वाइट हाउस की प्रैस सचिव जैन साकी ने एक माह पूर्व ही घोषणा की थी कि, अमेरिका बीजिंग ओलम्पिक्स के ''धूम-धड़ाके'' में भाग नहीं लेगा। बीजिंग के इन, ''2022 गेम्स'' में अपना आधिकारिक प्रतिनिधिमण्डल ना भेजकर अमेरिका को उम्मीद थी कि इससे बीजिंग को एक स्पष्ट संदेश मिलेगा।

- **अमेरिका में कैलिफोर्निया की डैमोक्रैट, सीनेटर पेलोसी ने भय जताया कि, अगर अमेरिकी एथलीट्स ने चीन के मानवाधिकार की अवहेलना के बारे में ज्यादा बयानबाजी की तो, अमेरिकी एथलीट्स की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। यह बात काफी प्रमुखता से वॉशिंगटन टाइम्स में छपी है।**
- **आर्कनसा के सीनेटर, टाम कॉटन ने भी सीनेटर पेलोसी के वक्तव्य का समर्थन किया।**
- **विदेश मंत्रालय से सम्बद्ध समिति ने भी यह आशंका जतायी है।**
- **जैसा कि विदित ही है, वाइट हाऊस के प्रैस सैक्रेटरी जैन साकी ने एक महीने पहले ही बड़ा भारी व्यक्तव्य दिया था कि, अमेरिका विन्टर ओलम्पिक के धूम-धड़ाके में शामिल नहीं होगा तथा ऑफिशियल प्रतिनिधि मण्डल नहीं भेजेगा। पर अमेरिकी एथलीट्स व कोच, अपनी बात कहने को स्वतंत्र होंगे तथा उन्हें अमेरिका की सरकार का पूर्ण समर्थन प्राप्त होगा।**
- **पर, अब अमेरिका अपने एथलीट्स को चीन की ज्यादा आलोचना करने के लिए नहीं उकसा रहा, और सलाह दे रहा है कि, अपनी सुरक्षा का ध्यान रखें।**

वॉशिंगटन टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, कैलीफोर्निया से डैमोक्रेट पार्टी की सीनेटर, पेलोसी ने अब कहा है कि उन्हें एथलीट्स की सुरक्षा को लेकर भय था कि, कहीं वे चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की आलोचना वाला कोई बयान ना दे दें।

उन्होंने कहा कि, ''मैं उन्हें वहां चीन की सरकार के खिलाफ बोलने को प्रोत्साहित नहीं कर रही हूँ, क्योंकि यदि वे ऐसा करते हैं तो मैं उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित हूं, मैं उम्मीद करती हूं कि, वे मानसिक व राजनैतिक व अन्य किसी भी तरीके से सकुशल हैं।''

अमेरिकी राजनेता चीन के वीगर अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न और मानवाधिकारों के उसके खराब रिकॉर्ड के कारण बीजिंग की पेलोसी लगातार आलोचना करते रहे हैं।

पेलोसी ने कहा, ''हम विन्टर ओलम्पिक्स के कूटनीतिक बायकॉट के लिए राष्ट्रपति को सैल्यूट करते हैं, जिसमें अन्य देश भी शामिल हुए, इस रूख का मैं समर्थन करती हूँ।'' मानवाधिकार उल्लंघनों और ओलम्पिक में भाग लेने वाले एथलीट्स के सुरक्षा जोखिम को लेकर रिपब्लिकन्स कई महीनों से इन खेलों के पूर्ण बायकॉट की मांग करते रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वैक्सीन का झमेला

- जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 फरवरी। यह केवल भारत में ही हो सकता है कि, केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के 20,162 निवासियों को कोविड-19 वैक्सीन की प्रथम खुराक से पहले, दूसरी खुराक दे दी गई।

यह डेटा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सरकारी वैबसाइट से प्राप्त हुआ है, जिसमें पहली खुराक की एक निश्चित अवधि के बाद दूसरी खुराक देना बताया गया है।

- **जम्मू कश्मीर में 20,162 व्यक्तियों को पहली डोज़ से पहले दूसरी डोज़ लगी।**

उक्त वैबसाइट दर्शा रही है कि, 4 फरवरी को दूसरी खुराक लेने वाले लोग 98,84,299 थे, जबकि पहली खुराक लेने वाले 98,64,137 ही थे।

एडिशनल स्नातक डिग्री उत्तीर्ण सभी अभ्यर्थी रीट 2021 में शामिल होंगे

राजस्थान हाई कोर्ट जोधपुर का अहम आदेश

सादुलपु/जोधपुर, (निसं)। शनिवार को राजस्थान हाई कोर्ट जोधपुर ने एडिशनल स्नातक डिग्री उत्तीर्ण सभी अभ्यर्थियों को वर्तमान में जारी रीट भर्ती-2021 में शामिल करने का अहम आदेश जारी किया है। इसके साथ ही उक्त डिग्री उत्तीर्ण हजारों अभ्यर्थियों की दौडधूप और असमंजस की स्थिति पर विराम लग गया है। चूरू जिले के रघुनाथपुरा निवासी सूर्यप्रकाश एचरा व अन्य अभ्यर्थियों की ओर से दायर मुख्य याचिका की सुनवाई के दौरान जस्टिस अरुण भंसाली की अदालत ने उक्त आदेश पारित करते हुए एडिशनल स्नातक डिग्री उत्तीर्ण सभी अभ्यर्थियों को भर्ती में शामिल करने का आदेश पारित किया है।

उक्त प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने इन अभ्यर्थियों के पक्ष में स्टे आदेश दिया हुआ है। इसके बावजूद नई विज्ञप्ति में भर्ती की नोडल एजेंसी निदेशालय बीकानेर ने उक्त डिग्री उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया से

- चूरू निवासी सूर्यप्रकाश एचरा की ओर से दायर याचिका पर दिया आदेश

बाहर का रास्ता दिखा दिया है। जिस पर हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता के एडवोकेट की दलीलों से सहमत होते हुए उक्त डिग्री उत्तीर्ण प्रदेश के सभी बेरोजगारों को रीट-2021 की भर्ती में शामिल करने का आदेश दिया है। साथ ही इस बाबत निदेशालय को वर्तमान में जारी ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में आवश्यक संशोधन हेतु आदेशित किया है। रीट भर्तियों पर करीबी जानकारी रखने वाले वेदपाल धानोठी के मुताबिक उक्त डिग्री उत्तीर्ण पात्र अभ्यर्थियों को रीट भर्ती-2016 व 2018 में शामिल किया गया था।

गत वर्ष राजस्थान हाई कोर्ट, जयपुर की खंडपीठ ने उक्त डिग्री उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को अपात्र करार दिया था लेकिन खंडपीठ के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने स्थगन आदेश देते हुए खंडपीठ के आदेशों को लागू करने पर रोक लगाई हुई है और मामले का अंतिम निस्तारण सुप्रीम कोर्ट द्वारा किया जाना है। ऐसी स्थिति में हाई कोर्ट का ताजा निर्णय एडिशनल स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए संजीवनी के समान है।

रीट प्रकरण : एसओजी के एडीजी अशोक राठौड़ ने सांचोर डाक बंगले में पुलिस अधिकारियों की बैठक ली

एडीजी ने ली तीन जिलों के एसपी की बैठक

जालोर, (कासं)। रीट पेपर लिक मामले के तार जालोर जिले से जुड़े होने से एसओजी ने जालोर में डेरा जमा कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। रीट पेपर लिक का मास्टर माइंड जालोर का उदाराम विश्नोई की गिरफ्तार के बाद जालोर जिले के तीन शिक्षकों को निलम्बित करने के साथ शनिवार को एसओजी के एडीजी अशोक राठौड़ ने सांचोर डाक बंगले में पुलिस अधिकारियों की बैठक लेकर पेपर लिक मामले के अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी तेज करने को लेकर रणनीति तैयार की।

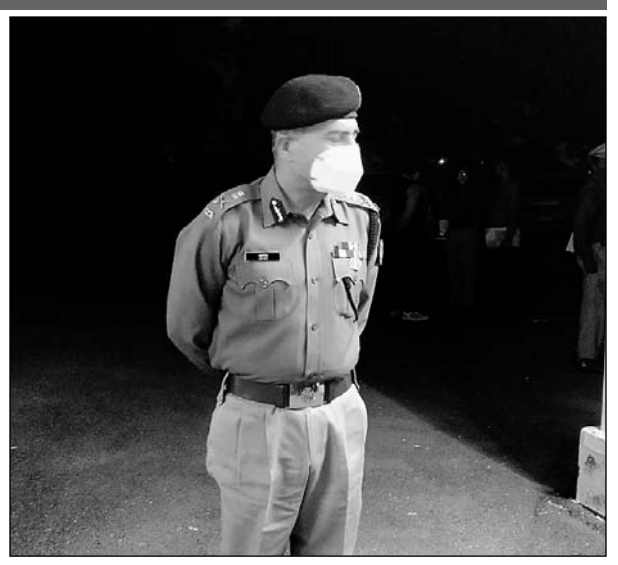

एसओजी के एडीजी अशोक राठौड़ सांचौर पहुंचे।

सांचोर के नर्मदा डाक बंगले में एसओजी के डीआईजी अशोक कुमार राठौड ने तीन जिलों के एसपी से रीट प्रकरण को लेकर करीब ढ ई घण्टे बैठक लेकर इस मामले में वांछितों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने व मामले की बारीकी से जांच में पुलिस व एसओजी के संयुक्त प्रयास से कार्यवाही को अमलीजामा देने की बात कही। इस दौरान बैठक में बाडमेर एसपी दीपक भार्गव, सिरोही एसपी धर्मेंद्र सिंह, जालोर एसपी के प्रतिनिधि के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनुकृति उज्जेनिया व साँचोर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दशरथसिंह, एसओजी अतिरिक जोधपुर विरेन्द्रसिंह सहित पुलिस के आला अधिकारियों ने भाग लिया।

एसओजी के एडीजी अशोक कुमार राठौड बैठक समाप्त होने के बाद कहा कि तीन जिलो के पुलिस अधिकारियों की उक्त मामले में आपसी सामजस्य से कार्य करने के उददेश्य से बैठक का आयोजन किया गया। ताकि इस परीक्षा में लिप्त कोई भी आरोपी छूट नहीं सके।

रीट पेपर लिक मामले में जालोर जिले के किलवा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के व्याख्याता उदाराम विश्नोई को गिरफ्तार करने के बाद इस मामले से जुड़े कई लोग भूमिगत हो गये थे। सांचोर के सांगडवा निवासी व्याख्याता शैतानसिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सूराचंद में कार्यरत है। वही राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राह में कार्यरत वाडा भाडवी निवासी चुन्नीलाल विश्नोई व राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय फागोतरा में कार्यरत प्रबोधक चुन्नीलाल पुरोहित की भूमिका पेपर हल करने सहित अन्य गतिविधियों में होने पर एसओजी ने अपने कब्जे में लेकर पुछताछ शुरू की। वही शिक्षा विभाग ने उदाराम सहित इन तीनो शिक्षको का निलम्बन आदेश जारी कर दिया।

बूंदी आबकारी विभाग का सीआई 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

बूंदी, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा की टीम ने शुक्रवार रात 12 बजे नई मंडी रोड स्थित आबकारी विभाग के कार्यालय के पास से बून्दी आबकारी विभाग में कार्यरत सीआई विनोद कुमार शर्मा को बीस हजार रूपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

कोटा एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ठाकुर चन्द्रशील ने बताया कि आशीष मंयक पुत्र नरेन्द्र कमार मंयक भीतारिया कुण्ड कोटा ने एसीबी में दो जनवरी को आबाकारी सीआई द्वारा परिवादी व उसके पार्टनर भरत कोठारी की ठीकरदा स्थित कम्पोजिट शराब की लाईसेंसशुदा दुकान जिसका नौकरनामा मेरे ही नाम है। 27 जनवरी को मेरी दुकान ठीकरदा पर आबकारी बून्दी के डी.ओ. साहब, सीआई विनोद शर्मा व अन्य स्टॉफ के साथ आये थे।

सीआई विनोद शर्मा छह पेटियां शराब की दुकान से ले गये और मुझे व मेरे सेल्समैन हंसराज गुर्जर को झूठे केस में नहीं फंसाने की एवज में एक केस व पच्चीस हजार रुपये व मंथली छह हजार रूपये प्रति माह और देने की मांग कर रहे हैं। परिवादी की शिकायत पर गोपनीय रिश्वत मांग पर दो फरवरी को सत्यापन करवाया गया तो आरोपी द्वारा 25000 रुपये रिश्वत की मांग करना पाया गया। रिश्वत मांग पर अग्रिम कार्रवाईकरते हुऐ शुक्रवार को बून्दी कृषि उपज मण्डी के पास परिवादी से रिश्वत की राशि पच्चीस हजार रूपये प्राप्त कर परिवादी के अनुरोध पर पांच हजार रुपये वापिस लौटाये।

घूसखोर सीआई

सड़क हादसे में दो की मौत

टोंक, (निसं)। मेगा स्टेट हाइवे डिग्गी-सोहैला 117 पर टोल से कुछ ही दूरी पर भीषण हादसे से एक महिला व एक व्यक्ति की मौत हो गई व एक व्यक्ति गभीर घायल हो गया।

बरोनी थाना अधिकारी जगदीश प्रसाद मीणा ने बताया कि डीजल टैंकर व बोलेरो की भीषण टक्कर हो गई जिसमें टोडारायसिंह निवासी सचिंत उर्फ अक्कू पुत्र सुरेन्द्र कुमार जैन, विमला देवी पत्नी ओमप्रकाश बोलेरो से शादी के कार्ड बाटने रिश्तेदार बाडा पदमपुरा जा रहे थे। जिन्हें डीजल टैंकर ने टक्कर मार दी जिससे दोनों की मौत हो गई।

अनियंत्रित होकर पिकअप गाड़ी पलटी, 10 लोग हुए घायल

अनियंत्रित होकर पलटी पिकअप।

चौमू / कालाडेरा, (निसं)। शनिवार को एक पिकअप गाड़ी रेनवाल थाना क्षेत्र के बधाल-इटावा रोड पर अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में पिकअप गाडी में बैठे 10 लोग घायल हो गए।

सूचना मिलने पर रेनवाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को 108 एम्बुलेंस की सहायता से कालाडेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भिजवाया गया। जहां पर घायल हुए लोगों का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के डॉक्टरों ने इलाज प्रारंभ किया व दो घायलों की हालत गंभीर होने पर जयपुर रेफर किया गया। रेनवाल थाना पुलिस ने क्रेन की मदद से पिकअप को बीच रोड से साइड करवा कर ट्रैफिक को चालू करवाया। जानकारी के अनुसार पिकअप गाडी में 10 लोग इटावा से कैटरिंग का सामान लेकर सीकर जिले के लांबिया गांव में शादी समारोह में जा रहे थे। इटावा पेट्रोल पंप के पास पिकअप का अचानक बैलेंस बिगड़ने से गाड़ी रोड के बीचों-बीच पलट गई। हादसे में गाड़ी में बैठे लोगों घायल हो गए और कैटरिंग का सामान टूटकर सडक पर बिखर गया।

- पिकअप गाड़ी से शादी समारोह में कैटरिंग का काम करने जा रहे थे मजदूर
- 2 मजदूरों की हालत गंभीर होने पर जयपुर किया रेफर

बाइपास रोड नहीं बनने से रींगस में रहता है जाम

रींगस, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर सीकर जयपुर बाईपास का काम तय समय में नहीं होने का खामियाजा लोगों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ रहा है। वहीं भारी ट्राफिक की वजह से लोग सड़क पार नहीं कर पा रहे।

शनिवार को शहर का मुख्य मार्ग वाहनों की वजह से जाम से जूझता रहा।

- सीकर जाने वाले वाहन रींगस होकर जा रहे हैं

रही सही कसर पत्थरों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली का हुक टूट जाने से ओवर ब्रिज पर जाम और बढ गया। हादसे में ट्रैक्टर चालक बाल बाल बच गया। वहीं शुक्रवार रात अज्ञात वाहन की टक्कर से दो युवकों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार राजमार्ग 52 की सीकर जयपुर पुलिया से क्षतिग्रस्त थी। ऐसे में जयपुर से सीकर की तरफ जाने वाले वाहनों को रींगस होकर गुजारा जा रहा है। दो दिन से श्याम मंदिर के कपाट खुलने तथा बसंत पंचमीं का सावा होने की वजह से यातायात का दवाब और बढ़ गया।

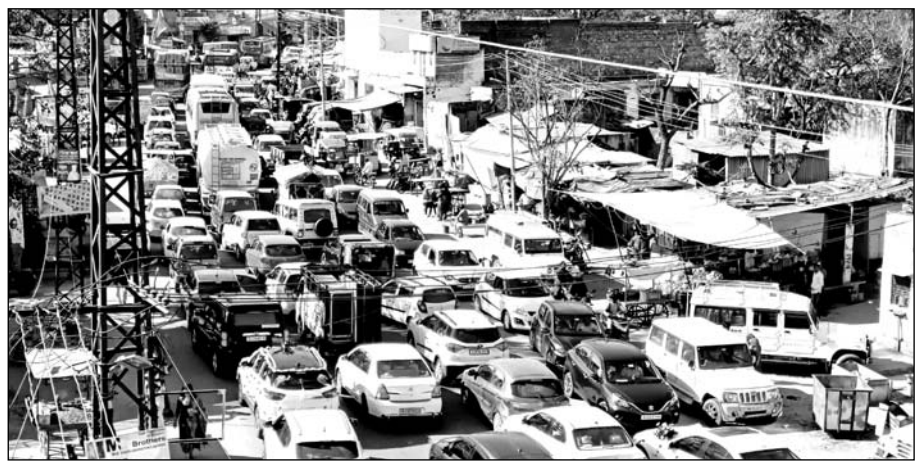

रींगस में जाम का एक नजारा, चारों ओर वाहनों की रेलमपेल।

पहली से पांचवीं तक स्कूल खुलने पर संशय बरकरार

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश में छठी से नौंवी के स्कूल दस फरवरी से खुल जाएंगे लेकिन पहली से पांचवीं तक के स्कूल खुलने का रास्ता अभी साफ नहीं हो पाया है। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. पॉल की सलाह को केंद्र सरकार ने लागू किया तो राजस्थान के महज तीन जिलों में ही सभी स्कूल खुल पाएंगे। दरअसल, डॉ. पॉल ने उन्हीं जिलों में स्कूल खोलने की सलाह दी है, जहां पॉजिटिव रेट पांच पर्सेंट से कम है।

राजस्थान में सिर्फ दौसा, करौली और जालोर में ही पॉजिटिव रेट पांच प्रतिशत से कम है, शेष तीस जिलों में पांच पर्सेंट से ज्यादा पॉजिटिव केस आ रहे हैं। केंद्रीय मानव संसाधन मंत्रालय ने अब तक किसी तरह की गाइडलाइन जारी नहीं की है जबकि नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी.के. पॉल ने स्कूल खोलने की आवश्यकता जताई है। शुक्रवार तक देश के करीब सत्तर जिलों में ऐसे हालात थे, जहां सभी स्कूल खुल सकते थे। राजस्थान में पांच तो क्या दस पर्सेंट से कम पॉजिटिव रेट वाले जिले भी महज आठ है।

बीकानेर, चूरू, नागौर, बाडमेर और झुंझुनूं में पांच से ज्यादा और दस से कम पर्सेंट पॉजिटिव रेट है। ऐसे में अगर सरकार नीति आयोग की सिफारिश से दो गुना पॉजिटिव रेट पर भी स्कूल खोलती है तो महज आठ जिलों में ही स्कूल खुलेंगे। अगर नीति आयोग की सिफारिश मानने का दबाव बनाया गया तो राज्य के 25 जिलों में स्कूल खुलना मुश्किल हो जाएगा।

उदयपुर में कोरोना से दो मौतें

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले में शनिवार को कोरोना से दो जनों की मौत हो गई। जिले के निजी चिकित्सालय में भर्ती एक 73 वर्षीय व एक 67 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई है। जांच रिपोर्ट में दोनों में कोरोना से मौत होने की पुष्टि हुई है। जिले में अब तक 773 मौते हो चुकी है। वहीं जिले में 341 पॉजीटिव मिले है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खराड़ी ने बताया कि जिले में आज प्राप्त 2766 सैम्पल जांच रिपोर्ट में से 2425 नेगेटिव व 341 पॉजीटिव मिले है। शहरी क्षेत्र में मिले 121 संक्रमितों में 11 कोरोना वॉरियर्स, 44 क्लॉज कॉन्टेक्ट व 66 नए केस है।

फर्जी टैग लगा जींस व टी-शर्ट बचने वाली फर्म पर कार्रवाई

अलवर, (निसं)। यूएस पोलो व सुपर ड्राई जैसी नामी कंपनी के फर्जी टैग लगा कर बाजार में आए दिनों ग्राहकों से ठगी होती है। जिसका नमूना अलवर शहर में सामने भी आया है। एक ही दुकान से करीब 700 से अधिक जींस व टीशर्ट नामी कंपनियों की जब्त की गई। जिन पर नकली टैग लगे थे। माल ऑरिजनल कंपनी का नहीं था केवल टैग लगा उसे नामी कंपनी का बता कर ग्राहकों को बेचा जाता था।

इस मामले में कोतवाली पुलिस को साथ लेकर लीगल कंपनी ने कार्रवाई की। कई लाख रुपए का सामान जब्त किया। खास बात यह सामने आई कि बहुत से लोगों को नामी कंपनी की जींस बता कर मोटी रकम वसूली भी होती है। आस-पास के ग्रामीण इलाकों और कस्बों के लोगों को यह माल बडी तादाद में बेचा जाता है।

बाजार में बडी कंपनियों के डुप्लीकेट टैग लगा कर जींस व टीशर्ट बेचने वाली बजाजा बाजार स्थित विवान एजेंसी फर्म पर लीगल कंपनी ने पुलिस को साथ लेकर बडी कार्रवाई की है। एक दुकान से 700 से अधिक जींस व टीशर्ट जब्त की हैं। असली ब्रांड के नाम पर नकली सामाने बेचने के मामले में बडी कार्रवाई से दुकानदारों में हडकंप भी मचा रहा। यह कार्रवई शुक्रवार शाम को की गई।

कंपनी के मैनेजर मोहित बजाज ने बताया कि उनकी कंपनी यूएस पोलो व सुपर ड्राई सहित कई कंपनियों का लीगल काम देखती है। उनको सूचना मिली थी कि अलवर में उनकी कंपनी के नकली ब्रांड बेचे जा रहे हैं। यहां एक बड़ी दुकान पर पुलिस की सहायता से छापा मारा है। सैकडों जींस व टीशर्ट मिले हैं आगे भी इस तरह की कार्रवाई की जाएगी। ताकि आमजन से ठगी नहीं हो सके। कोतवाली थाना प्रभारी महेश शर्मा ने बताया कि कॉपीराइट के तहत कार्रवाई की गई है।

कोतवाली पुलिस ने दुकान से टैग लगे जींस व टी-शर्ट जब्त की।

भू-माफिया जेडीए व निजी काश्तकार की जमीन पर धड़ल्ले से कर रहे अतिक्रमण

काश्तकार के परिवार पर हमला कर तीन जनों को घायल किया

बस्सी, (निसं)। बस्सी क्षेत्र के कानोता थाना इलाके में भू-माफियाओं न तो जेडीए की परवाह है और ना ही पुलिस की। वे कानोता थाने से महज 1 किलोमीटर दूर बगराना में नदी के बहाव क्षेत्र में सरकारी जमीन पर पक्का निर्माण कर कॉलोनी बसाने की तैयारी को अंजाम दे रहे हैं।

क्षेत्र के पुराना बगराना गांव श्मशान घाट के पास खसरा नंबर 181 जिसका रकबा लगभग 7 बीघा पक्की के लगभग है जो वर्तमान में नदी एवं जेडीए के नाम सिवायचक में दर्ज है लेकिन वन एवं पर्यावरण विभाग समेत जेडीए एवं पुलिस की उदासीनता के चलते भूमाफिया इस जमीन को हथियाने में लगे हैं। भू माफियाओं का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि शनिवार को उन्होंने खसरा नंबर 181 के नजदीकी जमीन के काश्तकार लक्ष्मीनारायण शर्मा के परिवार पर धावा बोलते हुए उनके परिवार की महिलाओं, बच्चों एवं युवकों को भी डंडों से पीटा जिसमें लक्ष्मीनारायण के परिवार के 3 लोगों के गंभीर चोटें भी आई है।

इस मामले में भी शनिवार को सैकड़ों ग्रामीणों ने एकत्रित होकर कानोता थाने में बस्सी एसीपी मेघचंद मीणा को कल्लू शर्मा, हेमराज शर्मा, भगवान सहाय निठारवाल, रमेश निठारवाल, अनिल शर्मा समेत अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। जमीन पर कोर्ट स्टे होने के बावजूद भी भू माफिया बेखौफ होकर जमीन पर दिनोंदिन अतिक्रमण कर अपना कब्जा जमाते जा रहे हैं। लेकिन कानोता थाना पुलिस की ओर से इस मामले में भू माफियाओं के खिलाफ कोई कारवाई नहीं कर रही है।

गौरतलब है तकरीबन 20 दिन पहले भी जेडीए द्वारा अतिक्रमण को ध्वस्त करने के बावजूद भू-माफियाओं ने एक बार फिर पक्का निर्माण कर कमरे बना लिए हैं। इतना ही नहीं ये भू माफिया सरकारी जमीन के साथ-साथ इससे सटी निजी खातेदारी जमीनों पर भी धडल्ले से कब्जा करने की कोशिश में लगे हुए है। ग्रामीणों का आरोप है कि कानोता थाना इंचार्ज को कई बार लिखित में शिकायत के बावजूद आरोपियों के खिलाफ कोई कारवाई नहीं की ग्रामीणों का ये भी कहना है ये भूमाफिया गैंग फर्जी दस्तावेज तैयार कर बाहर से उठाईगिरे एवं बदमाश लाकर सरकारी जमीनों के साथ-साथ कमजोर एवं भोले-भाले लोगों की जमीनों पर कब्जा करने में लगे हुये हैं। शनिवार को सैकडों लोगों ने समाजसेवी बाबूलाल टीलावाला के साथ इकट्ठे होकर इन भू-माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही करने के लिये कानोता थाने के बाहर धरना-प्रदर्शन करते हुए बस्सी एसीपी मेघचन्द मीणा को ज्ञापन दिया।

कानोता थाना क्षेत्र में भू माफिया के खिलाफ लोगों ने प्रदर्शन किया।

- इस मामले में सैकड़ों ग्रामीणों ने कानोता थाने में बस्सी एसीपी को नामजद लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया

आर.पी.वी.टी. में दो नये कॉलेज को मिली प्रवेश की अनुमति

बीकानेर, (कासं)। वेटरनरी विश्वविद्यालय के संघटक एवं सम्बद्ध वेटरनरी कॉलेजों में उपलब्ध स्टेट कोटा सीटों पर बी.वी.एस.सी. एण्ड ए.एच. डिग्री पाठ्यक्रम (सत्र 2021-22) में प्रवेश आवंटन हेतु आर.पी.वी.टी.-2021 ऑनलाइन काउंसलिंग रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया जारी है।

चेयरमैन, केन्द्रीय स्नातक प्रवेश मण्डल प्रो. आर.के. सिंह ने बताया कि बी.वी.एस.सी. एण्ड ए.एच. सत्र 2021-22 में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय से संबद्ध दो निजी महाविद्यालय महात्मा गांधी वेटरनरी कॉलेज, भरतपुर एवं आर.आर. कॉलेज ऑफ वेटरनरी एण्ड एनिमल साइंस, देवली (टोंक) को भी प्रवेश हेतु अनुमति प्रदान की गई है। अत: संबंधित अभ्यर्थी यदि चाहे तो अपने पूर्व में भरे ऑनलाइन काउंसलिंग रजिस्ट्रेशन फॉर्म में इन नये महाविद्यालयों की प्राथमिकता को सम्मिलित करते हुए अपनी कॉलेज प्राथमिकता क्रम को नये सिरे से भर कर दोबारा विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर सबमिट कर सकते हैं। नये अभ्यर्थी अपनी कॉलेज एवं सीट प्रकार की प्राथमिकता भरकर अपने ऑनलाइन काउंसलिंग रजिस्ट्रेशन फॉर्म को विवि. की वेबसाइट पर सबमिट कर सकते हैं। इस प्रक्रिया की पूर्व निर्धारित अंतिम तिथि 10 फरवरी तक रहेगी।

बूंदी कोर्ट में तैयार पावर ऑफ अटॉर्नी के आधार पर आज सुबह दिल्ली पहुंचेगा हितेन्द्र का शव

बूंदी, (निसं)। पिछले छह माह से अधिक अधिक समय से रूस में मृत राजस्थान के उदयपुर जिले के निवासी भारतीय नागरिक स्व. हितेंद्र गरासिया की दिवंगत देह शुक्रवार को परिवार के पास भारत लाने के लिये हिंदू धर्म के अनुसार दाह संस्कार के लिये कब्र से बाहर निकाली गयी। आखिर रविवार को सुबह नई दिल्ली पहुंचेगा हितेन्द्र का शव। इस ऐतिहासिक घटना में दिवंगत देह को कब्र से बाहर निकालने की सारी कार्यवाही बूंदी में तैयार दस्तावेजों के आधार पर की गयी।

मामले में कांग्रेस नेता चर्मेश शर्मा गत दिनो वे पीड़ित परिवार को लेकर एआईसीसी सचिव धीरज गुर्जर के साथ कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी से भी मिले थे। जिसके बाद प्रियंका गांधी ने इसे बेहद संवेदनशील मामला बताते हुये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दिवंगत देह को दाह संस्कार के लिए भारत लाने की मांग की थी।

मामले में भारत सरकार की ओर से हाईकोर्ट में कहा गया है कि स्व. हितेंद्र गरासिया का शव एफएसएल जांच के लिए रूस की जांच एजेंसी के पास रखा हुआ है। वहीं 20 दिसंबर को हाईकोर्ट ने अगली सुनवायी में भारत सरकार के ऊपर रूस में शव को दफनाने में सहमति देने पर रोक लगा दी। 20 दिसंबर को भारत सरकार आधिकारिक रूप से कह रही थी कि शव रूस की जांच एजेंसी के पास रखा हुआ है लेकिन हाईकोर्ट के दफनाने में रोक लगाते ही सामने आया कि शव तो पहले ही दफना दिया गया था। इसके बाद शर्मा इस बात पर अड़ गये कि स्व. हितेंद्र गरासिया की दिवंगत देह को कब्र में से ही निकाल कर भारत लाया जाये।

बूंदी में ही स्व. हितेंद्र गरासिया की धर्मपत्नी आशा गरासिया की ओर से रशियन जांच एजेंसी के सीनियर इन्वेस्टिगेटर ऑफिसर शिमोनोवा एमए के नाम कब्र से दिवंगत देह को बाहर निकालने के लिए पावर ऑफ अटॉर्नी तैयार करने का रास्ता निकाला गया। 31 दिसंबर 2021 को बूंदी कोर्ट में पावर ऑफ अटॉर्नी तैयार हुयी। भारत सरकार के नोटरी बाबूलाल शर्मा ने जहां पावर ऑफ अटॉर्नी को नोटरी किया। वहीं कांग्रेस नेता चर्मेश शर्मा ने आईडेंटिफाई किया। बूंदी में तैयार उस पावर ऑफ अटॉर्नी के आधार पर ही रूस में दिवंगत देह को कब्र से बाहर निकालने की प्रक्रिया चली और अंतत: शुक्रवार को कब्र से बाहर निकाला लिया गया।

संक्षिप्त

बसंत पंचमी का पर्व मनाया

रेवदर (निसं)। रेवदर के निकट जीरावल संघवी हंसराज कानाजी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जीरावल में आज विद्या की देवी मां सरस्वती का प्राकट्य दिवस वसंत पंचमी महोत्सव का धूमधाम से आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मंदिर की सुंदर सजावट व रंगोली बनाई ।कार्य म के अतिथि स्थानीय सरपंच कांतिलाल कोली, भामाशाह प्रकाश राज रावल, वार्ड पंच कंचन देवी रावल व प्रधानाचार्य कमल कांत शर्मा के सानिध्य में कार्य म का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों व अतिथियों ने सरस्वती पूजन कर वीणावादिनी का आशीर्वाद प्राप्त किया। सरपंच कांतिलाल कोली ने भी इस शुभ अवसर पर आशीर्वचन प्रदान किए। इस अवसर पर व्याख्याता भगवत सिंह सोलंकी ,कार्य म प्रभारी मुकेश पुरोहित भादर नाथ सिद्ध, जगदीश कुमार , प्राची कुमारी ने सहयोग प्रदान किया।

अल्पसंख्यक मोर्चा ने किया प्रदर्शन

पोकरण, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा ने 7 फरवरी को रीट भर्ती में हुई धांधली के विरोध में धरना प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौपा जायेगा। जिलाध्यक्ष कादर बक्श बाहला ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि रीट परीक्षा में धांधली के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं के द्वारा जयपुर में किये गए प्रदर्शन पर पुलिस प्रशासन के द्वारा बर्बरता पूर्ण लाठीचार्ज किया गया। जिसमे कई कार्यकर्ता घायल हो गए। गहलोत सरकार के इस कृत्य के विरोध में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जैसलमेर 7 फरवरी को जैसलमेर जिला कलेक्टर के बाहर सुबह 10.30 बजे से विशाल धरना दिया जाएगा। सभी भाजपा कार्यकर्ता को अधिक से अधिक पहुंचने का आव्हान किया।

डेंटल केयर का उद्घाटन

स्वरूपगंज, (निसं)। स्वरूपगंज के प्रजापत कॉलोनी में विधायक समाराम गरासिया एवं प्रधान नितिन बंसल के द्वारा सोमनाथ डेंटल क्लिनिक स्वरूपगंज का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर डेंटल क्लीनिक के इंचार्ज डॉक्टर राहुल वैष्णव व बी एम वैष्णव मौके पर उपस्थित रहे इस अवसर पर नितिन बंसल ने कहा कि कस्बे को डेंटल की सुविधा आसानी से मिलने लग जाएगी। इस अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मौके पर डॉ राम लाल, भुवनेश पुरोहित, गोवर्धन मोहरेश, जबर सिंह केर, पूर्व उप प्रधान हिरालाल चौधरी, लक्ष्मण पुरोहित, गोविंद मालवीय, गुलाब नारायण वैष्णव , संजय अग्रवाल एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

महोत्सव धूमधाम से मनाया

जोधपुर, (कासं)। राजकीय आवासीय अंध विद्यालय जोधपुर में शनिवार को बसंत पंचमी का दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया । इस अवसर पर मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई । विद्यालय के संगीत व्याख्याता रामचंद्र कडेला ने मां सरस्वती की प्रार्थना प्रस्तुत की। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रकाश चंद खींची ने ऋतुराज के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर स्थानीय विद्यालय में भामाशाह राम प्रकाश सोलंकी व घनश्याम सोलंकी के पिताजी की स्मृति में गीजर व शिक्षण सामठी ब्रेल स्लेट विशेष विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाई गई ।

उपस्वाथ्य केन्द्र पर एएनएम नहीं होने के कारण ग्रामीण परेशान

मंडार, (निसं)। देशभर में कोरोना महामारी की तीसरी लहर चल रहीं हैं और राज्य तथा केन्द्र की सरकार हर रोज इस महामारी से बचने का नित नया जतन कर रही हैं। हालांकी कोविड-19 बिमारी के तीसरी लहर का असर सिरोही जिले में भी देखने को मिल रहा हैं।

जिसके कारण लोग पॉजिटीव भी आ रहे हैं। ज्ञात रहे की आमजन की देखभाल के लिए जिला मुख्यालय पर सिरोही का चिकित्सा विभाग भले ही मुस्तैद हो मगर ग्रामीण क्षेत्र में विभाग की उदासीनता साफ नजर आ रही हैं। जिसके चलते राज्य सरकार द्वारा मिलने वाली सरकारी सुविधाओ का लाभ ग्रामीण अंचलो के लोगो को नहीं मिल रहा हैं।

मंडार के निकट रायपुर के राजकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र पर पिछले करीब एक माह से एएनएम का पद खाली पड़ा हैं।

रायपुर उप स्वास्थ्य केन्द्र एक माह से राम भरोसे : रेवदर उपखंड मुख्यालय से करीब तीस किलोमीटर तथा मंडार से बीस किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत रायपुर के राजकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र पर पिछले करीब एक माह से एएनएम (ऑक्जिलरी नर्सिंग मिडवाईफरी) का पद खाली पडा हैं। जानकारी के अनुसार रायपुर उप स्वास्थ्य केन्द्र पर दो एएनएम अपने पद पर कार्यरत थी। हालांकी दोनो का एक साथ तबादला होने पर वर्तमान में पोस्ट खाली हैं। इधर कोरोना जैसी बिमारी चल रही हैं, बावजूद चिकित्सा विभाग द्वारा काफी समय से एएनएम की नियुक्ती नहीं करने के कारण ग्रामीणो सहित मरीजो को काफी परेशानीयो का सामना करना पड रहा हैं। फिर भी विभाग द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं।

वहीं ग्रामीणो ने बताया की आसपास के करीब सात गांवो के अंदर एक मात्र रायपुर कस्बे में उप स्वास्थ्य केन्द्र हैं जो यहा पर ईमेर्जेंसी में छोटी-बड़ी बिमारी का निजी उपचार करवाने पर हल्की राहत मिल जाती थी। परंतु वर्तमान में केन्द्र पर पोस्ट खाली होने के कारण मजबूरन प्राईवेट अस्पताल अथवा गुजरात जाना पडता हैं।

- आसपास के सात गांवों में ही यह एक उप स्वास्थ्य केन्द्र है

जिससे समय के साथ- साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पडता हैं। इधर उप स्वास्थ्य केन्द्र पर एएनएम नहीं होने के कारण प्रेक्टीस (ट्रेनिंग) करने वाले मरीजो से ईलाज के नाम पर चांदी कूट रहें हैं।

इस सम्बंध में डॉ. राजेश कुमार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिरोही का कहना है कि पांच दिन पूर्व एक एएनएम को लगाया गया था और उसने ज्वाईन भी कर लिया हैं। अभी तक ड्यूटी पर नहीं लगी है तो मैं पता करवाता हूँ।

पाला पड़ने से खराब हुई फसलों का मुआवजा देने की मांग की

- किसान यूनियन ने मुख्यमंत्री को मुआवजे की मांग के लिए पत्र लिखा

पाली । भारतीय किसान यूनियन टिकैत गैर राजनीतिक संगठन के पाली जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कृषि मंत्री लालचंद कटारिया, पाली प्रभारी मंत्री टीकाराम जूली व पाली जिला कलेक्टर नमित मेहता को पत्र लिखकर पिछले दिनों भारी सर्दी के कारण पाली जिले में पाला पड़ने से खराब हुई फसल का सर्वे कर गिरदावरी करके मुआवजा देने की मांग की ।

जागरवाल ने पत्र में बताया कि जनवरी 2022 में भारी सर्दी पड़ने के कारण पाली जिले के काश्तकारों की खेती में जीरा, चणा, रायड़ा, गेहूं, इरण्डी, इसबगोल, तारामीरा आदि अनेक फसलों में पाला पड़ने से फसल खराब हुई है। किसानों के खेत के खेत जलकर खाली हो चुके हैं।

इस वर्ष सरकार ने पाली जिले की 6 तहसीलें रानी, देसुरी, बाली, सुमेरपुर, पाली, रोहट को अकाल घोषित कर रखा है। इस वर्ष पीने का पानी का भयंकर संकट पशुधन को पर्याप्त चारा नहीं, किसानों ने अपना परिवार का पेट पालने के लिए कम बरसात के बाद भी सेंवज की खेती की, जिसमें लगातार सर्दी पड़ने के कारण पाली जिले के सभी तहसीलों में लगभग 60 प्रतिशत पाला पड़ने से फसलें खराब हुई है। किसान पूर्व में महंगा डीजल व खाद व बैंकों के कर्ज के कारण बोझ से दबा हुआ है। अब जिले में पाला पड़ने के कारण किसान बर्बाद के कगार पर आ गया है। पाला पड़ने के कारण फसल उत्पादन न के बराबर होने पर किसान के जुताई का खर्च भी हाथ में नहीं आने वाला है। पूरे जिले में पाला पड़ने के साथ कम बारिश का क्षैत्र रोहट के किसान पूरी तरह से प्रभावित हुआ है।

जागरवाल ने पत्र में मुख्यमंत्री से पुरजोर मांग की है कि पाली जिले में राजस्व विभाग को शीघ्र निर्देश देकर शीघ्र ही हल्का पटवारी द्वारा सर्वे करवाकर खराबा का आंकलन कर धरतीपुत्र किसान को खराब हुई फसल का मुआवजा देने की प्रथम प्राथमिकता से कार्यवाही कर किसान को राहत दें।

मुमुक्षु ने मुक्त हाथों से किया सांसारिक वस्तुओं का दान

सायला, (निसं)। सायला के निकटवर्ती उम्मेदाबाद में शनिवार को मुमुक्षु खुश्बु कुमारी के दीक्षा प्रसंगे आचार्य विजय अरिहंतसिद्ध सूरीश्वर महाराज के सुशिष्य ज्योतिष प्रतिष्ठाचार्य जैनाचार्य विजय रैवत सूरीश्वर महाराज एवं आचार्य विजय हार्दिक रत्नसूरीश्वर महाराज के सान्निध्य में वर्षीदान वरघोडे का गाजे-बाजे के साथ आयोजन हुआ।

वरघोडे को लेकर सवेरे से ही समाजबंधुओं का पारंपरिक वेशभूषा में सजधज कर आयोजन स्थल पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। इसके बाद सवेरे दस बजे से वर्षीदान वरघोडा रवाना हुआ। वरघोडे में सबसे आगे बैंड पार्टी व उसके पीछे सुसज्जित हाथी पर मुमुक्षु खुश्बु कुमारी अपने परिवारजनों के साथ विराजित थी।

जो मुक्त हाथों से सांसारिक वस्तुओं का दान कर मोह माया के बंधन से मुक्ति का संदेश दे रही थी। वही युवक एवं युवतियां संगीत की सुमधुर लहरियों पर नृत्य करते हुए जिनशासन एवं मुमुक्षु अमर रहे की जयघोष लगा रहे थे। महिलाएं मंगल गीत गा रही थी। वही इसके पीछे सुसज्जित अश्वों पर युवा धर्म ध्वजा लिए हुए विराजित थे।

अस्पताल में किए मास्क वितरण

जालोर में रोटरी क्लब ने हॉस्पीटल में मास्क का वितरण किया गया।
फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर रोटरी क्लब की ओर से कोविड-19 महामारी रोकथाम के लिए चलाये जा रहे मास्क वितरण कार्यकम के तहत शनिवार को राजकीय अस्पताल, टीबी अस्पताल में मौजूद मरीजों एवं उनके परिजनों को रोटरी क्लब व जालोर नागरिक सहकारी बैंक प्रतीक का माक्स वितरण कार्यकम जारी रखा।

क्लब अध्यक्ष तरुण सिद्धावत ने बताया कि अस्पताल परिसर में रोटरी क्लब जालोर के तत्वाधान में नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के सौजन्य से पांच सौ मास्क वितरित किये गए। कार्यकम को संबोधित करते हुए डॉक्टर पवन ओझा ने रोटरी क्लब द्वारा चलाए जा रहे कार्यकम से अवगत कराया। पूर्व सहायक प्रांत पाल कानाराम परमार ने चिकित्सा विभाग व रोटरी क्लब के सहयोग से ही पूरे विश्व में पोलियो जैसी बीमारी को खत्म किया। उसके लिए चिकित्सा जगत से जुड़े .डॉक्टरों, नर्सिंगकर्मी व कार्मिको का आभार जताया। कार्यक्रम की शुरुआत टीबी अस्पताल में मरीजों ओर कार्मिको को ,जरनल नर्सिंग प्रशिक्षण केंद्र में छात्र-छात्राओं को तथा अस्पताल परिसर में वार्ड में भर्ती मरीजों व उनके परिजनों को वितरित किए गए।

बैठक पहली बार वर्चुअल रूप से हुई

बाड़मेर,(निसं)। जिला परिषद बाड़मेर की साधारण सभा की बैठक जिला प्रमुख महेन्द्र चौधरी की अध्यक्षता में पहली बार वर्चुअली आयोजित की गई।

जिसमे बाड़मेर विधायक मेवाराम जैन भी मौजूद रहें। शिव विधायक अमीन खान, चौहटन विधायक पदमाराम मेघवाल एवं सिवाना विधायक हमीरसिंह भायल वर्चुअली रूप से जुड़े रहे। बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना वर्ष 2022-23 की प्रस्तावित वार्षिक कार्ययोजना का अनुमोदन किया गया।

इस अवसर पर जिला प्रमुख महेन्द्र चौधरी ने अधिकारियों से कहा कि वे जन प्रतिनिधियों द्वारा बताई जाने वाली जन समस्याओं एवं मुद्दों पर त्वरित कार्यवाही कर उनका समाधान कराएं। उन्होने अधिकारियों से जिला परिषद सदस्यों के फोन नम्बर सेव करने को कहा ताकि जन समस्याओं से अवगत कराने पर शीघ्र समाधान कराया जा सकें। उन्होने सदस्यों का आहवान किया कि जनहित से जुड़े मामलों का पूरा फीडबैक और जानकारी सदन के पटल पर रखे। ताकि उनका उचित तरीके से निराकरण किया जा सकें।

उन्होने अधिकारियों से पेयजल, विद्युत, सड़क समेत मूलभूत सुविधाओं तथा विकास योजनाओं के जुड़े कार्य प्राथमिकता से प्रारम्भ कराने तथा प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। इस दौरान विधायक अमीन खान ने कहा कि भारतमाला सड़क निर्माण प्रोजेक्ट में डीएनपी क्षेत्र में अधूरे कार्य पूर्ण कराने एवं गागरिया में पुल का कार्य शुरू कराने को कहा।

उन्होने बोर्डर रोड़ का कार्य गुणवतापूर्वक कर सड़कों को मजबूत करने की बात कही। बाड़मेर विधायक मेवाराम जैन ने मनरेगा योजना में निविदा प्रक्रिया में सुधार करने को कहा।

अवैध मादक पदार्थो के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

बाड़मेर, (निसं)। बाड़मेर को स्वस्थ व नशामुक्त बनाने के अभियान को प्राथमिकता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक दीपक भार्गव की अगुवाई में बाड़मेर पुलिस लगातार नशे व तस्करी के विरुद्ध कार्यवाहियों को अंजाम दे रही है। इसी कड़ी में शनिवार को कोतवाली पुलिस ने दो अलग - अलग मामलों में अवैध मादक पदार्थों को बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।एसपी दीपक भार्गव ने बताया कि शनिवार को कोतवाली थानाधिकारी उगमराज सोनी के नेतृत्व में पुलिस ने दो आरोपियों के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ जब्त कर उन्हें गिरफतार किया है। कोतवाली के हैड कॉन्स्टेबल पदमपुरी द्वारा आसूचना संकलन कर बाडमेर शहर में चल रहे नशीले पदार्थो के अवैध ठिकानों का पता लगाया गया।

एक हजार मोजडी पहनने का बनेगा रिकार्ड

जालोर, (कासं)। जिला प्रशासन एवं जालोर विकास समिति के तत्वावधान में जालोर की जूती को विश्व स्तर पर ख्याति व व्यापार के साथ साथ भीनमाल, बडगांव व जालोर जिले मोजडी के कुशल कारीगरो से हस्त कला व कशीदा की दस्तकारी के महत्व व कला को बढाने के उद्देश्य के साथ इस बार 15 फरवरी को 11 बजे जालोर स्टेडियम प्रांगण मे मोजडी की शान, जालोर की पहचान कार्यक्रम में राष्ट्रगान से जालोर महोत्सव 2022 का आगाज होगा। जालोर महोत्सव में इस बार जालोर को एक अलग पहचान दिलाने के लिए शोभायात्रा में एक हजार लोगो द्वारा मोजडी (जुती) पहनकर पहुंचने का लक्ष्य रखा हैं। जालोर की जूती पूरे देशभर में प्रसिद्व है। खासकर बडगांव व भीनमाल की जूतियां की काफी डिमांड रहती है।

सार-समाचार

रातानाडा कृष्ण मंदिर में बसंत पंचमी पर विशेष झांकी सजाई। इस मौके पर मंदिर को भव्य रुप से सजाया गया। सुबह से ही भक्तों का तांता लगना शुरु हो गया था। मंदिर में भजन कीर्तन का कार्यक्रम भी हुआ।

निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

जालोर, (कासं)। निकटवर्ती धनाणी गांव में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सायला, आदिनाथ फतेह ग्लोबल आई हॉस्पीटल जालोर, जिला अंधता निवारण समिति जालोर, के संयुक्त तत्वावधान से विशाल नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर 5 फरवरी सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक स्थान सरकारी अस्पताल धनाणी में संपन्न हुआ। इस शिविर में 180 मरीज की जांच करवाई गई। 41 मोतियाबिंद पेसेंट मिले, नि:शुल्क दवाई दी गई। साथ साथ मोतियाबिंद मरीजों को ऑपरेशन के लिए जालौर आदिनाथ फतेह ग्लोबल आई हॉस्पिटल में भेज दिया गया। 66 चश्मा वितरित किया गया। इस शिविर में जालोर के आदिनाथ फतेह ग्लोबल आई हॉस्पिटल के प्रबंधक ललित जी, डॉक्टर कृष्णा बहन, ओपटीशियन देवाराम जी,गोपाल जी, काउंसेलर सुरेश राव, लक्ष्मणजी, ब्रम्हाकुमारी रंजू दीदी उपस्थित थे। इस शिविर में विशेष दानदाता स्वर्गीय जैसा माली के परिवार से उनके चार सुपुत्र तोला , जोईता,गलवा ,भरत सहित परिवारजन ने सेवा की। इसह दौरान धानसा गांव के डॉक्टर रामेश्वर गौतम, डॉ अमर सिंह, धनानी गांव के कंपाउंडर कैलाश चंद्र शर्मा, सायला से ब्रह्माकुमारी पवनी बहन, एकता बहन, पुष्पा बहन, ब्रह्मा कुमार बलवंतराम ,गम्माराम डूंगाराम विशेष सहयोग प्रदान किए। नशा मुक्ति एवं आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी द्वारा अनेकों को नशा छोडने की प्रेरणा दी गई।

'मरूगंगा' जीर्णोद्धार की मांग

नई दिल्ली/पाली/जोधपुर (निस)। पश्चिमी राजस्थान की मरूगंगा के नाम विख्यात लूणी नदी के जल्द कायाकल्प का मुद्दा लोकसभा में उठा। पाली सांसद और पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री पीपी चौधरी ने लोकसभा कार्यवाही के नियम 377 के तहत लूणी नदी के जीर्णोद्धार हेतु भारत सरकार से जल्द कार्यवाही का आग्रह किया। सांसद चौधरी ने लूणी नदी के संबंध में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का ध्यान दिलाते हुए संसद में यह नदी उनके संसदीय क्षेत्र पाली शहर सहित जोधपुर, अजमेर, नागौर, बाड़मेर, जालोर में बहती हुई गुजरात के कच्छ की खाडी में गिरती है। लूणी नदी की लंबाई लगभग 511 किमी है। अधिकारियों द्वारा नदी के दोनों तरफ का वनीकरण का निर्णय पहले से ही किया जा चुका है।

पाटोत्सव आज

जोधपुर, (कासं)। श्री सुसवाणी माताजी ट्रस्ट के तत्वावधान में सुराणा-सांखला भाईपा बंधुओं की कुलदेवी सुसवाणी माताजी का 23वां पाटोत्सव समारोह रविवार, 6 फरवरी को मंडोर रोड स्थित सुसवाणी माता मंदिर प्रांगण में कोरोना गाइडलाइन की पालना करते हुए बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया जाएगा।

कार्यालय नगर परिषद, जैसलमेर (राज) 345001
क्रमांक/भूमि/2021-22/2656 दिनांक 04.02.2022
प्रसारित नोटिस उजरदारी
श्री विजय कुमार कपटा पुत्र स्व. श्री भजनलाल कपटा जाति ब्राह्मण निवासी ई-112 गफूरभट्टा कच्ची बस्ती जैसलमेर द्वारा एक आवेदन पत्र पेश कर निवदेन किया है कि भूखण्ड सं. 682 साईज 20 गुणा 49 फीट वाके जयनारायण व्यास आवासीय कॉलोनी जैसलमेर में श्री भजनलाल पुत्र श्री रतनलाल कपटा मृत्यु दिनांक 13.08.2014 को होने के कारण हम वारिसान श्रीमति भंवरीदेवी पत्नि स्व. श्री भजनलाल कपटा, श्रीमती मधु पुत्र स्व. श्री भजनलाल कपटा, श्रीमती सुनीता पुत्री स्व. श्री भजनलाल कपटा, जाति ब्राह्मण निवासीयान जैसलमेर ने विजय कुमार कपटा पुत्र स्व. श्री भजनलाल कपटा के पक्ष में जरिये हक-तर्कनामा नामान्तरण दर्ज करवाना चाहते है। अत: इस सम्बन्ध मे किसी व्यक्ति/पार्टी को कोई उजर ऐतराज हो तो वह इस कार्यालय में 7 दिवस के भीतर पेश करे अन्यथा बाद म्याद कोई उजर ऐतराज मान्य नहीं होगा तथा नामान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। सूचित रहे। आयुक्त,
नगर परिषद, जैसलमेर

कार्यालय ग्राम पंचायत बालवाडा पंचायत समिति सायला जिला जालोर
क्रमांक/ग्रापं/2021-22/190 दिनांक 28.01.2022
ई-बिड सूचना
पंचायत समिति सायला के अधीनस्त ग्राम पंचायत बालवाडा में वित्तिय वर्ष 2021-22 की शेष अवधि के लिए मनरेगा एवं ग्रामीण विकास की अन्य योजनाओं के लिये निर्माण सामग्री आपूर्ति वाणिज्यक कर /जी.एस.टी. विभाग में राजस्थान वैट अधिनियम 2003 के अन्तर्गत पंजीकृत फर्मो/संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑन लाईन बिड आंमत्रित की जाती है। उक्त प्रक्रिया में भाग लेने के लिए वांछित योग्यता रखने वाले बिडर विस्तृत विवरण एवं शर्तो की जानकारी के लिए ग्राम पंचायत बालवाडा में सम्पर्क करें तथा विस्तृत विवरण व शर्ते www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।
UBN : ZJR2122GLOB02046
NIB : ZJR2122A0688
सरपंच, ग्राम पंचायत बालवाडा — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बालवाडा

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
शाखा कार्यालय: पोकरण, बस स्टेण्ड के सामने, जोधपुर रोड़, पोकरण, जिला जैसलमेर, राजस्थान-345021, ई-मेल: pokhra@bankofbaroda.co.in

चल एवं अचल संपत्तियों के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस
"परिशिष्ट-II-क" एवं "परिशिष्ट-IV-क" [नियम 6(2) एवं नियम 8(6) का परन्तुक देखें]

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 6(2) व नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन चल एवं अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।
आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित चल एवं अचल संपत्तियां जो प्रतिभूत लेनदार के पास दृष्टिबंधक / गिरवी है, का कब्जा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जहां है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर **बैंक ऑफ बड़ौदा**, प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि नीचे उल्लेखित खातें की वसूली हेतु बेचा जाएगा। ऋणियों/ जमानतदारों/ प्रतिभूत आस्तियों/ बकायों / आरक्षित मूल्य / ई-नीलामी की दिनांक व समय, धरोहर राशि एवं बोली वृद्धि राशि का विवरण नीचे वर्णित है-

क्रं. सं.	ऋणियों/जमानतदारों के नाम एवं पते	ज्ञात संपत्तियों के साथ चल एवं अचल संपत्तियों का संक्षिप्त विवरण, यदि कोई हो	कुल बकाया	ई-नीलामी की दिनांक व समय	आरक्षित मूल्य, धरोहर राशि एवं बोली वृद्धि राशि	कब्जे की स्थिति (प्रलक्षित/ वास्तविक)	संपति निरीक्षण की दिनांक व समय
1	**मैसर्स श्री विनायक ग्वार गम इंडस्ट्रीज** 82, राजपुतो की ढ़ाणियां, माधोपुरा, तहसील पोकरण, जिला-जैसलमेर, राजस्थान पार्टनर्स/जमानतदार: **(1) श्री भूपत सिंह पुत्र श्री मेहताब सिंह** 82, राजपुतो की ढ़ाणियां, माधोपुरा, तहसील पोकरण, जिला-जैसलमेर, राजस्थान **(2) श्री आसु सिंह पुत्र श्री मेहताब सिंह** माधोपुरा, माधोपुर, जैसलमेर, सांकड़ा, राजस्थान- 345026 **(3) श्री नरप्रताप सिंह पुत्र श्री मेहताब सिंह** 82, राजपुतो की ढ़ाणियां, माधोपुरा, पोकरण, सांकड़ा, जैसलमेर, राजस्थान जमानतदार: **(1) श्री मेहताब सिंह पुत्र श्री हुकम सिंह** 90, सावल सिंह की ढ़ाणी, माधोपुरा, तहसील पोकरण, जिला-जैसलमेर, राजस्थान **(2) श्रीमती कमला कंवर पत्नी श्री मेहताब सिंह** 90, सावल सिंह की ढ़ाणी, माधोपुरा, तहसील पोकरण, जिला-जैसलमेर, राजस्थान **(3) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री बलवता राम** मकान नं. 198, गांव बेलदारों की ढ़ाणी, मंडावा पार्ट 1, तहसील पोकरण, जिला-जैसलमेर, राजस्थान	लोट (एबी)- प्लान्ट और मशीनरी ("जो है, जैसी है, जहां है, और जितनी भी उपलब्ध है के आधार पर") जो कि खसरा नं. 448/235, 450/235, गांव केलवा, तहसील पोकरण, जिला जैसलमेर, राजस्थान पर स्थित है। एवं श्री नरप्रताप सिंह पुत्र श्री मेहताब सिंह के नाम साम्यिक बंधक फैक्ट्री भूमि एवं भवन जो खसरा नं. 448/235, 450/235, गांव केलवा, तहसील पोकरण, जिला जैसलमेर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 10.00 बीघा (16187.28 मीटर/वर्ग) है। सीमाएं- पूर्व: अन्य खसरा भूमि, पश्चिम: अन्य खसरा भूमि, उत्तर: रोड़ पोकरण से देवीकोट, दक्षिण: अन्य खसरा भूमि अन्य ऋण भार: ज्ञात नहीं	रूपये 2,06,60,148.18 दिनांक 16.04.2019 को बकाया (दिनांक 31.03.2019 तक का ब्याज शामिल करते हुए) एवं इसके आगे का ब्याज व अन्य वसूली खर्चे इत्यादि।	23.02.2022 एवं दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक (प्रत्येक 10 मिनट की असीमित समयावृद्धि के साथ)	आरक्षित मूल्य- रूपये 63,83,000/- (रूपये तिरसठ लाख तिरासी हजार मात्र) धरोहर राशि- रूपये 6,38,300/- (रूपये छह लाख अड़तीस हजार तीन सौ मात्र) बोली वृद्धि राशि- रूपये 25,000/- (रूपये पच्चीस हजार मात्र)	वास्तविक	17.02.2022 सुबह 11:00 बजे से सांय 4:00 बजे तक
		लोट (ए)- प्लान्ट और मशीनरी ("जो है, जैसी है, जहां है, और जितनी भी उपलब्ध है के आधार पर") जो कि खसरा नं. 448/235, 450/235, गांव केलवा, तहसील पोकरण, जिला जैसलमेर, राजस्थान पर स्थित है। अन्य ऋण भार: ज्ञात नहीं		23.02.2022 एवं दोपहर 01:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक (प्रत्येक 10 मिनट की असीमित समयावृद्धि के साथ)	आरक्षित मूल्य- रूपये 3,83,000/- (रूपये तीन लाख तिरासी हजार मात्र) धरोहर राशि- रूपये 38,300/- (रूपये अड़तीस हजार तीन सौ मात्र) बोली वृद्धि राशि- रूपये 25,000/- (रूपये पच्चीस हजार मात्र)	वास्तविक	17.02.2022 सुबह 11:00 बजे से सांय 4:00 बजे तक
		लोट (बी)- श्री नरप्रताप सिंह पुत्र श्री मेहताब सिंह के नाम साम्यिक बंधक फैक्ट्री भूमि एवं भवन जो खसरा नं. 448/235, 450/235, गांव केलवा, तहसील पोकरण, जिला जैसलमेर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 10.00 बीघा (16187.28 मीटर/वर्ग) है। सीमाएं- पूर्व: अन्य खसरा भूमि, पश्चिम: अन्य खसरा भूमि, उत्तर: रोड़ पोकरण से देवीकोट, दक्षिण: अन्य खसरा भूमि अन्य ऋण भार: ज्ञात नहीं		23.02.2022 एवं दोपहर 02:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक (प्रत्येक 10 मिनट की असीमित समयावृद्धि के साथ)	आरक्षित मूल्य- रूपये 60,00,000/- (रूपये साठ लाख मात्र) धरोहर राशि- रूपये 6,00,000/- (रूपये छह लाख मात्र) बोली वृद्धि राशि- रूपये 25,000/- (रूपये पच्चीस हजार मात्र)	वास्तविक	17.02.2022 सुबह 11:00 बजे से सांय 4:00 बजे तक

नोट:-लोट (ए) की नीलामी केवल तभी आयोजित की जाएगी जब लोट (एबी) की नीलामी सफल नहीं होगी। लोट (बी) की नीलामी तभी आयोजित की जाएगी जब लोट (ए) की सफलतापूर्वक नीलामी हो जाएगी।
विक्रय के निबंधन और शर्तों के ब्यौरे के लिए कृपया नीचे दिए गए वेबसाइट अर्थात https://www.bankofbaroda.in/e-auction.htm एवं https://ibapi.in देखें। इसके अलावा संभावित बोलीदाता प्राधिकृत अधिकारी से दूरभाष नं.-02994 - 222224, मोबाईल नं. 8875001970 पर संपर्क कर सकते है।
दिनांक: 05.02.2022
स्थान: पोकरण (जैसलमेर)
हस्ता
प्राधिकृत अधिकारी
बैंक ऑफ बड़ौदा

गुरु के द्वार से गुजर कर ही परमात्मा को पाया जा सकता है : जैनमुनि

सायला, (निसं)। सायला के निकटवर्ती रेवतड़ा में शुक्रवार को आचार्य जयन्तसेन सूरी महाराज के सुशिष्य मुनि डॉ. संयमरत्न विजय व मुनि भुवनरत्न विजय के पावन सान्निध्य में युग प्रभावक आचार्य जयन्तसेन सूरी महाराज के 69वें संयमोत्सव प्रसंगे जीवदया का आयोजन किया गया। साथ ही सामूहिक सामायिक के साथ ही श्री पार्श्वनाथ पंचकल्याणक पूजा का आयोजन हुआ।

इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा में गुरु के गुणों का बखान करते हुए मुनि डॉ. संयमरत्न विजय ने कहा कि गुरुदेव ने 68 वर्ष पूर्व सियाणा में आचार्य श्री यतीन्द्र सूरी के पावन करकमलों से संयम लेकर ज्ञान-ध्यान-साधना करते हुए सदैव गुरु आज्ञा में रहे। गुरु आज्ञा का पालन करना ही गुरुदेव के जीवन का प्राण मंत्र था। जो गुरु के वचन को गिरने नहीं देता, वह कभी भी, कहीं भी गिरता नहीं है। गुरु के वचन परमात्मा के वचन के समान होते हैं, ऐसा मानकर जो गुरु आज्ञा को धारण करता है, उसका अवश्यमेव उद्धार होता है। गुरु दीवार नहीं द्वार है। गुरु के द्वार से गुजर कर ही परमात्मा को पाया जा सकता है। यही कारण है कि सिक्खों ने अपने आराधना स्थल को गुरुद्वारा कहा है। गुरु भगवान नहीं दे सकता, लेकिन भय अवश्य काट सकता है और भय का काटना ही भगवान का साक्षात्कार है। गुरु शास्त्र और सिद्धांत नहीं देता, वह तुम्हें ज्ञान देता है तुम्हें आँख देता है जिससे तुम देख सको कि कहाँ खाई-गड्ढे हैं और कहाँ समतल राजमार्ग है? जैसे जमीन के नीचे पानी और हर पत्थर में प्रभु की छवि छिपी हुई है, उसी तरह हर आत्मा में परमात्मा की ज्योति छिपी है। लेकिन जिस तरह पानी निकालने के लिए जमीन को खोदना होता है और पत्थर में प्रतिमा के दर्शन के लिए उसे तराशना पड़ता है, उसी तरह आत्मा में बैठे परमात्मा के दर्शन हेतु मनुष्य को तपस्या व सतत् साधना से गुजरना पड़ता है। प्रवचन के पूर्व मुनिद्वय ने मीठालाल व समस्त हिराणी परिवार एवं कमला देवी छगनराज मंडोत परिवार के गृहांगण पर पगलिये कर शुभाशीर्वाद प्रदान किया। वही 6 फरवरी को बाकरा में ध्वजारोहण हेतु मुनिद्वय ने रेवतड़ा से मंगलमय विहार किया। इस दौरान समाजबंधु मौजूद रहे।

मुनि डॉ. संयमरत्न विजय व मुनि भुवनरत्न विजय के सान्निध्य में जीवदया का आयोजन किया गया।

सड़क निर्माण में पीडब्लयुडी की मनमानी, व्यापारियों ने किया बाजार बंद

सोमवार को व्यापारियों के साथ बैठक कर लिया जाएगा निर्णय

हिण्डौन सिटी, (का.सं.)। शहर के चौपड़ सर्किल से जयपुर तक हो रहे सड़क निर्माण में सार्वजनिक निर्माण विभाग पर मनमानी का आरोप लगाते हुए व्यापारियों ने शनिवार को अपने प्रतिष्ठान बंद कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान उपखंड अधिकारी की ओर से निर्माण कार्य को रुकवाने और व्यापारियों के साथ बैठक कर उचित निर्णय लेने के आश्वासन के बाद व्यापारियों ने बाजार खोलें।

व्यापार महासंघ के अध्यक्ष अनिल गोयल सहित दौलत कटारिया, टीकम पंसारी, ओमी धाकड़, नरेंद्र कुमार सहित दर्जनों व्यापारियों ने शहर के चौपड़ सर्किल से डेम्प तक सड़क का निर्माण कार्य हो रहे हैं । व्यापारियों का कहना है कि इस सीसी सड़क निर्माण में पुरानी सड़क को हटाए बिना उसी के ऊपर सड़क निर्माण का कार्य किया जा रहा है। विरोध जताया व्यापारियों का कहना है कि बार-बार सड़क के ऊपर फिर से सड़क निर्माण होने से सड़क ऊंची हो जाएगी और व्यापारियों की दुकाने नीचे रह जाएंगी। जिससे उनमें पानी भरने की भी संभावना रहेगी।

चौपड़ सर्किल के आस-पास के व्यापारियों ने प्रदर्शन किया।

व्यापारियों का कहना है कि नियमानुसार पुरानी सड़क की खुदाई ठेकेदार की मिलीभगत के चलते मनमानी बरती जा रही है और ठेकेदार की ओर से पुरानी जर्जर सड़क को हटाए बिना उसी के ऊपर सड़क निर्माण शुरू कर दिया है । इस मामले को लेकर व्यापारियों ने शनिवार को बाजार बंद कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारी इस मामले को लेकर उपखंड अधिकारी अनूप सिंह के निवास पर पहुंच गए। जहां उन्होंने उपखंड अधिकारी को समस्या से अवगत कराया और सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों पर मनमानी के आरोप लगाए। व्यापार महासंघ के अध्यक्ष गोयल ने कहा कि सोमवार को अगर प्रशासन व्यापारियों के पक्ष में निर्णय नहीं लेता है तो फिर से अपने बाजार बंद कर देंगे और उनके समर्थन में शहर के सभी बाजार बंद हो सकते हैं। उन्होंने सभी व्यापारियों से इस मामले को गंभीरता से लेने की अपील की है।

■ उपखंड अधिकारी ने निर्माण कार्य रुकवाया

व्यापारी के अपहरण की योजना बनाते हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, पिस्टल बरामद

प्लानिंग के तहत हरियाणा-पंजाब से दो शूटर भी बुलवाये थे

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के भगवानपुरा गांव में एक व्यापारी को अगवा कर फिरौती वसूलने की वारदात को अंजाम देने से पूर्व ही पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार कर पिस्टल बरामद की है। बता दें कि आरोपित ने इस प्लानिंग के तहत हरियाणा-पंजाब से दो शूटर भी बुलवाये थे, जो दो चार दिन यहां रुके।

मांडल पुलिस के अनुसार, 4 फरवरी को मांडल पुलिस को मुखबिर से सूचा मिली कि हरिपुरा निवासी जगदीश कुमावत व उसका साथी भगवानपुरा निवासी पान की दुकान संचालक प्रवीण वैष्णव, दशरथ रावत सभी मिलकर भगवानपुरा के एक व्यापारी का अपहरण कर फिरौती वसूलने की योजना बना रहे हैं। इन लोगों ने वारदात को अंजाम देने के लिए पंजाब-हरियाणा क्षेत्र के शूटर भी बुलाये थे। ये लोग काफी दिन से रैकी कर वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। जगदीश के पास अवैध पिस्टल भी है, जो मांडल-भगवानपुरा, हरिपुरा के बीच घूमकर व्यापारी के आने जाने की रैकी कर रहा है। इस सूचना पर पुलिस अधीक्षक ने एक टीम का गठन किया। टीम ने खुफिया तंत्र और सूचना संकलन कर हरिपुरा निवासी हिस्ट्रीशीटर जगदीश पुत्र जगन्नाथ कुमावत को दबोचा। उसके पास एक पिस्टल मिली, जिसे पुलिस ने कब्जे में लिया। कुमावत ने बताया कि उसने स्वयं व उसके दोस्त दशरथ सिंह पुत्र उदयसिंह रावत निवासी दिवेर, राजसमंद, प्रवीण वैष्णव निवासी भगवानपुरा, भंवर गुर्जर निवासी कटार ने मिलकर भगवानपुरा गांव के एक व्यापारी का अपहरण कर फिरौती वसूलने की प्लानिंग बनाई। इसके लिए पंजाब-हरियाणा से पहले दो शूटर भी बुलवाये, जो दो-चार दिन रुककर वापस चले गये। पुलिस ने मामला दर्ज कर हिस्ट्रीशीटर जगदीश को गिरफ्तार कर लिया। मांडल पुलिस ने बताया कि आरोपित हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ पूर्व में 2013 से 2021 तक 7 मामले दर्ज हैं। इनमें से 4 मांडल, 2 रायला व एक भीमगंज थाने में दर्ज हैं।

मांडल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

खबर का असर

ब्लास्टिंग की शिकायत पर माइनिंग फोरमैन ने मौका निरीक्षण किया

पाटन क्षेत्र में अवैध रूप से खुलेआम ब्लास्टिंग कर खनन कार्य किया जा रहा है।

पाटन, (निसं)। करजो रोड पर स्थित आशा देवी कॉलेज के सामने खनन पट्टा संख्या 191/1993, 192/1993 वास्ते चेजा पत्थर का खनन कार्य हो रहा था। जिसको लेकर ग्रामीणों व खनन कार्य से जुड़े लोग एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। लीज एरिया के नजदीक बने मकान मालिक जयप्रकाश यादव कि शिकायत पर सहायक खनिज अभियन्ता ने माइनिंग फौरमेन को मौके पर जाकर रिपोर्ट तैयार करने के आदेश दिए।

शिकायत कर्ता को फोन के माध्यम से मौके पर आने को कहा,लेकिन जयप्रकाश यादव ने आने मे असमर्थता जाहिर की। हालांकि बाद मे जयप्रकाश यादव खनन स्थल पर उपस्थित हुए। ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध रूप से भारी मात्रा में बारूद इकट्ठे कर खुलेआम भारी ब्लास्टिंग कर खनन कार्य किया जा रहा है। खनन कार्य बहुत ही नजदीक से होने से वहां 100 मीटर दूर आसपास में रह रहे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से व खनिज अभियंता को भी शिकायत लिखी। खनिज अभियंता ने मौके पर अपने सहायक प्रतिनिधि को भेज कर जांच करवाई। जांच अधिकारियों ने भी साफ तौर पर लिख दिया कि खनन कार्य अवैध रूप से किया जा रहा है। यहां माइंस मैनेजर की भी कोई नियुक्ति नहीं है ना ही ब्लास्टिंग की परमिशन दिखा सके हैं। यहां पर ब्लास्टिंग के अवैध खनन कार्य के निशान पाए गए हैं। उन्होंने कार्रवाई करते हुए खनिज अभियंता को नोटिस देने की बात भी कही है। दूसरी ओर खनन पट्टाधारी के प्रतिनिधि दारका प्रसाद मीणा ने कहा हम लोग हल्की ब्लास्टिंग कर रहे हैं।

■ सहायक खनिज अभियन्ता ने माइनिंग फौरमेन को मौके पर जाकर रिपोर्ट तैयार करने के आदेश दिए

लोगों ने बताया कि उनके घर में दरारे भी पड़ गई है। घर में बैठे होने पर कभी भी हादसा हो सकता है। खेतों में आवाजाही करने पर भी डर लगने लगा है। निहाल सिंह यादव ने बताया कि उसका मकान लीज एरिया से महज 100 मीटर दूरी पर है तथा खनन करने वाले लोग ब्लास्टिंग की कोई सूचना न देकर व निश्चित समय नहीं होने पर कभी भी ब्लास्टिंग करना हमारे लिए खतरों से खाली नहीं है। ऐसे में ग्रामीणों ने खनन कार्य को बंद करने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस क्षेत्र में अवैध रूप से भारी मात्रा में बारूद इकट्ठे कर खुलेआम भारी ब्लास्टिंग कर खनन कार्य किया जा रहा है।

भीलवाड़ा में बदमाशों ने युवक को चाकू मारा, एक हिरासत में

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के बडलियास थाना क्षेत्र में बाइक चोरी करने आए बदमाशों ने युवक को चाकू मार दिया। आस-पास के लोगों ने एक हमलावर को पकड़ा और दो बदमाश भागने में सफल रहे। घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। बड़लियास थाना प्रभारी राजेंद्र ताड़ा ने बताया कि सवाईपुर कस्बे में रहने वाले राधेश्याम जाट की बाइक घर से बाहर खड़ी थी। शनिवार तड़के चार बदमाशों ने बाइक चोरी का प्रयास किया। मकान मालिक जाट ने चोरों को देखकर शोर मचाना शुरू कर दिया। एक बदमाश ने चाकू निकालकर उस पर हमला कर दिया। आवाज सुनकर पड़ोसियों के आने पर दो बदमाश भाग गए। एक हमलावर को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। चाकू के हमले से मकान मालिक को काफी चोटें आई हैं। पुलिस भागे बदमाशों की तलाश कर रही है।

जगन गुर्जर की तलाश में पुलिस ने राजस्थान, यूपी और एमपी में चलाया सर्च अभियान

धौलपुर, (निसं)। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर बाड़ी विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा सहित कुछ समाज विशेष को अपशब्द कहने वाला 50 हजार रुपए का इनामी बदमाश जगन गुर्जर पुलिस के लिए बड़ा सिरदर्द बन गया है। इसे लेकर पुलिस की करीब आधा दर्जन विशेष टीमें लगातार सर्च अभियान चला रही हैं। लेकिन जगन गुर्जर पुलिस के हाथ नहीं आ रहा है।

जगन गुर्जर की गिरफ्तारी के लिए शनिवार को भी पुलिस ने धौलपुर के डांग इलाके सहित मध्य प्रदेश के मुरैना क्षेत्र, राजस्थान के करौली तथा उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में सर्च अभियान चलाया। लेकिन फिर भी पुलिस के हाथ खाली रहे। धौलपुर एसपी शिवराज मीणा ने बताया कि पुलिस की विशेष टीमों ने चंबल नदी के दोनों किनारे राजस्थान और मध्य प्रदेश की तरफ तथा उत्तर प्रदेश के आगरा जिले और राजस्थान के करौली जिले में सर्च अभियान चलाया लेकिन अभी तक जगन गुर्जर पुलिस की गिरफ्त में नहीं आया है, वह जल्दी ही पकड़ा जाएगा।

दूसरी तरफ कोतवाली थाना पुलिस द्वारा जगन गुर्जर के संपर्क में रहने वाले एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से 1 अवैध देसी कट्टा और 2 जिंदा कारतूस भी जप्त किए गए हैं। कोतवाली थाना प्रभारी अध्यात्म गौतम ने बताया कि आरोपी रवि पुत्र बंटी गुर्जर निवासी मसूदपुर थाना सराय छोला जिला मुरैना को आईटीआई के पास मचकुंड रोड धौलपुर से गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी गौतम ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी इनामी बदमाश जगन गुर्जर के संपर्क में रहा है।

50 हजार रुपये के इनामी बदमाश जगन की तलाश में पुलिस ने बीहड़ों की खाक छानी।

दो डोडा पोस्त तस्करों को दबोचा

चूरू, (कासं)। रतननगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध डोडा पोस्त की तस्करी कर रहे दो जनों को ट्रक सहित दबोचा है। पुलिस के अनुसार पुलिस महानिरीक्षक रेंज बीकानेर द्वारा चलाये जा रहे अवैध नशे के खिलाफ प्रहार अभियान में पुलिस अधीक्षक दिगंत आनंद जिला चूरू के आदेशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू योगेन्द्र फौजदार के निर्देशन व पुलिस उप अधीक्षक चूरू ममता सारस्वत के सुपरविजन में थानाधिकारी पुलिस थाना रतननगर सुरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में हरीदान हैडकानि, धर्मेन्द्र कानि, मुकेश कुमार कानि, कपिल कानि, आनन्द कानि, मुनेश कानि, ओमप्रकाश कानि, बनवारी द्वारा आज नाकाबन्दी के दौरान एनएच 52 उंटवालिया चोराहा से ट्रक द्वारा तस्करी कर डोडा पोस्त ले जा रहे गगनदीप पुत्र मेजर सिंह निवासी लांबा, रतिया, फतेहाबाद हरियाणा व बलविन्द्रसिंह पुत्र जगतार सिंह निवासी चिम्मोंया, फतेहाबाद हरियाणा को अवैध 4 क्विंटल 25 किलो डोडा पोस्त व चुरा की तस्करी करते हुये को गिरफ्तार किया गया।

इन तस्करों ने उक्त ट्रक के डाला में केलों के नीचे डोडा पोस्त छुपाया हुआ था। पूछताछ में पता चला है कि ये तस्कर डोडा चुरा मध्यप्रदेश से लेकर आ रहे थे तथा तस्करी कर हरियाणा ले जा रहे थे। ये लोग कब से तस्करी कर रहे हैं व पहले के आपराधिक रिकॉर्ड बाबत जांच की जा रही है। कार्यवाही करने वाली टीम को पुलिस अधीक्षक चूरू के द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। जब्तशुदा डोडा पोस्त की बाजार कीमत लगभग बीस लाख रुपये है।

उप स्वास्थ्य केंद्र पर नहीं मिलती एएनएम

मंडार, (निसं)। राज्य तथा केन्द्र की सरकार हर रोज इस महामारी से बचने का नित नया जतन कर रही हैं। हालांकी कोविड-19 बिमारी के तीसरी लहर का असर सिरोही जिले में भी देखने को मिल रहा हैं। जिसके कारण लोग पॉजिटीव भी आ रहे हैं। आमजन की देखभाल के लिए जिला मुख्यालय पर सिरोही का चिकित्सा विभाग भले ही मुस्तैद हो मगर ग्रामीण क्षेत्र में विभाग की उदासीनता साफ नजर आ रही हैं। जिसके चलते राज्य सरकार द्वारा मिलने वाली सरकारी सुविधाओ का लाभ ग्रामीण अंचलो के लोगो को नहीं मिल रहा हैं।

रायपुर उप स्वास्थ्य केन्द्र एक माह से राम भरोसे :- रेवदर उपखंड मुख्यालय से करीब तीस किलोमीटर तथा मंडार से बीस किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत रायपुर के राजकीय उप स्वास्थ्य केन्द्र पर पिछले करीब एक माह से एएनएम (ऑक्जिलरी नर्सिंग मिडवाईफरी) का पद खाली पडा हैं। जानकारी के अनुसार रायपुर उप स्वास्थ्य केन्द्र पर दो एएनएम अपने पद पर कार्यरत थी। हालांकी दोनो का एक साथ तबादला होने पर वर्तमान में पोस्ट खाली हैं। इधर कोरोना जैसी बिमारी चल रही हैं, बावजूद चिकित्सा विभाग द्वारा काफी समय से एएनएम की नियुक्ती नहीं करने के कारण ग्रामीणो सहित मरीजो को काफी परेशानीयो का सामना करना पड रहा हैं। फिर भी विभाग द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं।

वहीं ग्रामीणो ने बताया की आसपास के करीब सात गांवो के अंदर एक मात्र रायपुर कस्बे में उप स्वास्थ्य केन्द्र हैं जो यहा पर ईमेर्जेसी में छोटी-बड़ी बिमारी का निजी उपचार करवाने पर हल्की राहत मिल जाती थी। परंतु वर्तमान में केन्द्र पर पोस्ट खाली होने के कारण मजबूरन प्राईवेट अस्पताल अथवा गुजरात जाना पडता हैं। जिससे समय के साथ- साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पडता हैं। इधर उप स्वास्थ्य केन्द्र पर एएनएम नहीं होने के कारण प्रेक्टीस (ट्रेनिंग) करने वाले मरीजो से ईलाज के नाम पर चांदी कूट रहें हैं।

इस सम्बंध में डॉ. राजेश कुमार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिरोही का कहना है कि पांच दिन पूर्व एक एएनएम को लगाया गया था और उसने ज्वाईन भी कर लिया हैं। अभी तक ड्यूटी पर नहीं लगी है तो मैं पता करवाता हूँ।

बारातियों से भरी गाड़ी सड़क पर कई बार पलटी, दो घायल बीकानेर रैफर

बीकानेर, (कासं)। बारात के साथ जा रही एक गाड़ी के पलटने से आठ लोग घायल हो गए। इनमें से दो को गंभीर चोट लगने पर बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रैफर किया गया है। जहां ट्रोमा सेंटर में उनका इलाज चल रहा है। ये हादसा स्कोर्पियो गाड़ी के पलटने से हुआ। सभी घायल श्रीडूंगरगढ़ के बताये जा रहे हैं।

दरअसल, श्रीडूंगरगढ़ से विवाह में हिस्सा लेने के लिए कुछ गाड़ियां नोखा आई थी। इन्हीं में एक स्कोर्पियो गाड़ी थी। रास्ते में अनियंत्रित होने के कारण स्कोर्पियो पलट गई। उसमें सवार सभी आठ लोगों को चोटें आई हैं, इसमें दो गंभीर घायल है। घायलों में राजेडू गांव के तेजपाल पुत्र हनुमानाराम के सिर में गंभीर चोट आई है। उसे नोखा के अस्पताल ले जाया गया, जहां से पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर रैफर कर दिया गया है। वहीं, लिखमीदेसर उतारा के रहने वाले गौरीशंकर पुत्र हजारीराम के पैर में चोट लगी है। पैर में फैक्चर हो गया है। इस हादसे में स्कोर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

घटना की जानकारी मिलने के साथ ही बारातियों में भगदड़ मच गई। सभी अपने अपने परिचितों को ढूंढ ने लगे। बाद में बारात के लिए तैयार हुए दूल्हे के परिजन अस्पताल में दौड़ते नजर आए। शुक्र रहा कि दुर्घटना में किसी की मौत नहीं हुई। बाबूलाल पुत्र मोतीराम जाट निवासी सुरतसिंहपुरा, रामचंद्र पुत्र रामदयाल जाट कल्याणसर नया, अनिल बिश्नोई पुत्र बनवारी लाल सांवतसर, बाबूलाल पुत्र आदूराम जाट इंद्रपालसर बास, तेजपाल पुत्र हनुमानराम राजेडू, नन्दकिशोर पुत्र हनुमानाराम जाट लिखमीसर उतरादा, नंदकिशोर पुत्र हनुमानाराम जाट लिखमीदसर उतरादा, गणेश पुत्र रामलाल लिखमीदसर उतरादा, गौरीशंकर पुत्र हजारीराम लिखमीदसर उतरादा घायल हो गए हैं।

■ श्रीडूंगरगढ़ से विवाह में नोखा आए थे लोग, बारातियों में मची भगदड़

मुख्यमंत्री गहलोत और राज्यपाल मिश्र की चादर पेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्षा सोनिया गांधी की चादर आज होगी पेश

अजमेर, (कासं)। सूफी संत ख्वाज मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 810वें सालाना उर्स के मौके पर शनिवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, राज्यपाल कलराज मिश्र सहित कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग, इंद्रेश कुमार की चादर पेश की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री और राज्यपाल के प्रतिनिधियों ने दरगाह के बुलंद दरवाजे पर संदेश पढ़ कर सुनाया और देश व प्रदेश में खुशहाली और भाईचारे की दुआ मांगी। देश व प्रदेश के अकीदतमंद ख्वाजा साहब के दर पर हाजिरी देकर अपनी अकीदत का इजहार कर रहे हैं। दरगाह परिसर में सूफियाना कव्वालियों का दौर दिन-रात जारी है।

सीएम गहलोत की ओर से राजस्थान वक्फ बोर्ड के चेयरमैन डॉ खानुखान बुधवाली ने ख्वाजा साहब की मजार पर मखमली चादर एवं अकीदत के फूल पेश किए। इस अवसर पर बुलंद दरवाजे पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का संदेश पढ कर सुनाया गया। मुख्यमंत्री के संदेश में सभी देश एवं प्रदेश वासियों को मुबारकबाद दी तथा देश एवं प्रदेश में कौमी एकता अखंडता खुशहाली अमन चैन के दुआ की।

इस अवसर पर अंजुमन कमेटी के सचिव वाहिद हुसैन अंगारा ने दस्तारबंदी की एवं खादिम यासीर गुर्देजी ने जियारत कराई। इस अवसर पर अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्ष विजय जैन एवं निवर्तमान महासचिव शिव कुमार बंसल के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने चादर शरीफ का 51 किलो की माला पहनाकर स्वागत किया।

राज्यपाल कलराज मिश्र द्वार भी भेजी गई चादर शनिवार को उर्स के मौके पर ख्वाजा साहब की मजार पर चादर पेश की गई। राज्यपाल मिश्र की चादर उनके राज्यपाल के प्रतिनिधि एडीसी राजर्षि वर्मा द्वारा पेश की और देश-प्रदेश में अमन चैन शांति भाईचारा बना रहे इसे लेकर दुआ की गई। राज्यपाल के प्रतिनिधि एडीसी वर्मा ने बुलंद दरवाजे पर राज्यपाल मिश्र का भेजा संदेश भी पढ़ कर सुनाया। इसी प्रकार कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष आबिद कागजी द्वारा अपने प्रतिनिधि अकबर खान के माध्यम से ख्वाजा साहब की मजार पर चादर पेश की और देश में अमन चैन की दुआ मांगी।

सीएम अशोक गहलोत की चादर पेश करने जाते प्रतिनिधि।

■ देश में खुशहाली और अमन चैन के लिए दुआ की

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक इंद्रेश कुमार द्वारा भेजी गई चादर ख्वाजा साहब की मजार पर पेश की गई। डॉ. इमरान चौधरी इंद्रेश कुमार की चादर लेकर पहुंचे। चादर पेश कर देश में अमन चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। उर्स के चलते दरगाह, दरगाह बाजार, अंदरकोट, नाला बाजार सहित अन्य बाजारों में जायरीन की भीड़ उमड़ रही है। उर्स को लेकर जिला और पुलिस प्रशासन भी पूरी मुस्तैदी के साथ जुटा हुआ है। जायरीन की सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर सभी इंतजाम किए गए है।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन आबिद कागजी ने आज ख्वाजा गरीब नवाज के 810 वे उर्स के मुबारक मौके पर गरीब नवाज के दरबार में सेकड़ों अल्पसंख्यक कार्यकर्ताओ के साथ मखमली चादर पेश की एवं देश में अमन व शांति आपसी भाईचारा कायम रहने की दुआ मांगी ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से हर वर्ष ख्वाजा साहब के उर्स के मौके पर चढ़ने वाली चादर रविवार को केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलात मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी पेश करेंगे। कार्यक्रम के अनुसार मुख्तार अब्बास नकवी दिल्ली से चादर लेकर सुबह 11:30 बजे अजमेर पहुंचेंगे, यहां सूफी परंपरा के अनुरूप ख्वाजा साहब के पवित्र मजार पर प्रधानमंत्री की चादर पेश की जाएगी इसके पश्चात दरगाह के ऐतिहासिक बुलंद दरवाजे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश पढ कर सुनाया जाएगा । कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्षा सोनिया गांधी व पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा प्रियंका वाड्रा की ओर से रविवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश प्रभारी अजय माकन सहित अन्य कांग्रेसी दोपहर 12:30 बजे सोनिया गांधी की चादर लेकर अजमेर पहुंचेंगे।

रीट पेपर लीक के आरोपी रामकृपाल से 21.80 लाख की नकदी बरामद

- आरोपी से अब तक 1 करोड़ 3 लाख 80 हजार रुपये बरामद कर चुकी है एसओजी
- जांच में सामने आया है कि रामकृपाल ने उदाराम व अन्य आरोपी की मदद से पेपर बेचकर यह रकम कमाई थी

जयपुर (कासं)। रीट परीक्षा का पेपर बेचकर रामकृपाल मीणा द्वारा कमाई गई रकम में से 21 लाख 80 हजार की नकदी शनिवार को राजस्थान एसओजी ने बरामद की है। दरअसल शिक्षा संकुल के स्ट्रांग रूम से रीट का पेपर लीक करने वाले गिरोह में रामकृपाल मीणा भी शामिल था। इससे पहले भी एसओजी ने कार्रवाई करते हुए राम कृपाल से 71 लाख रुपए नकद बरामद किए थे, इसके साथ ही विभिन्न बैंक खातों में जमा 11 लाख रुपए फ्रीज करवाए थे। इस प्रकार से एसओजी अब तक रामकृपाल से कुल 1 करोड़ 3 लाख 80 हजार रुपए बरामद कर चुकी है। आरोपी रामकृपाल ने यह रकम गिरोह के उदाराम और एक अन्य आरोपी को रीट परीक्षा का पेपर बेचकर प्राप्त की थी। इस पूरे प्रकरण में कुछ अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं, जिन्हें पेपर बेचा गया है, उनकी जांच करने में एसओजी टीम जुटी हुई है।

सूत्रों के मुताबिक एसओजी जांच में सामने आया है कि जयपुर के शिक्षा संकुल से पेपर लीक करने के बाद उसे सांचौर और बाड़मेर में कुछ अभ्यर्थियों को भेजा गया। शिक्षा संकुल के जिस स्ट्रांग रूम में पेपर रखे गए थे उसे खोलने के लिए 2 चाबियों की जरूरत होती है। जिसकी पहली चाबी कोऑर्डिनेटर बीएस बैरवा और दूसरी चाबी कोऑर्डिनेटर रविंदर फौजदार के पास मौजूद थी। रीट पेपर के स्टेट कोऑर्डिनेटर प्रदीप पाराशर ने स्ट्रांग रूम खुलवाने के बाद दोनों कोऑर्डिनेटर को किसी काम से बाहर भेज दिया और इसी दौरान राम कृपाल मीणा ने पेपर आउट कर लिया। पेपर आउट करने के बाद गिरोह के सदस्यों को पेपर पहुंचाया, इसके साथ ही सांचौर और बाड़मेर में कुछ अभ्यर्थियों को भी डायरेक्ट पेपर भेजा गया। फिलहाल इस पूरे प्रकरण में अभी कुछ अन्य लोगों की गिरफ्तारी होनी शेष है, जिनकी तलाश में एसओजी टीम जुटी हुई है।

9 फरवरी से अदालतों में होगी हाइब्रिड तरीके से सुनवाई

जयपुर। हाईकोर्ट सहित प्रदेश की सभी अधीनस्थ अदालतों व अधिकरणों में हाइब्रिड तरीके से सुनवाई होगी। यानि वकील वीसी के साथ-साथ अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होकर भी बहस कर सकते हैं। हाईकोर्ट प्रशासन ने इस संबंध में पूर्व में जारी अधिसूचना को संशोधित किया है।

अधिसूचना में कहा गया है कि कोर्ट कक्ष में सिर्फ उन्हीं अधिवक्ताओं को प्रवेश किया जाएगा, जिन्हें अपने मुकदमें में बहस करनी है। इसके अलावा हाईकोर्ट व अधीनस्थ अदालतों में कोविड वैक्सीन का डोज लग गया हो। गौरतलब है कि फिलहाल हाईकोर्ट सहित सभी अधीनस्थ अदालतों व अधिकरणों में सिर्फ वीसी के जरिए ही सुनवाई हो रही है।

शिक्षा के क्षेत्र में उच्चतम पायदान पर पहुंचे राजस्थान : सीएम

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को अपने निवास से वीसी के जरिये शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व बैठक को संबोधित किया।

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि शिक्षा किसी भी देश की तरक्की का मुख्य आधार है। राज्य सरकार ने प्रदेश में शिक्षा का बेहतरीन माहौल तैयार कर भावी पीढ़ी को अच्छे अवसर उपलब्ध कराने के लिए विगत तीन वर्षों में एक से बढ़कर एक निर्णय लिए हैं और नवाचार किए हैं। बजट पूर्व संवाद के माध्यम से हमारा प्रयास है कि विशेषज्ञों से सुझाव लेकर शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान को उच्चतम पायदान पर ले जाएं और शिक्षा से सम्बन्धित समस्याओं का समुचित हल निकले।

- 'बैठक में आए सुझावों का परीक्षण कर आगामी बजट में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा'

गहलोत शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से वीसी के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है और इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। बैठक में आए सुझावों का परीक्षण कर आगामी बजट में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर काम हो सके।

बैठक में शिक्षा से जुड़े विभिन्न गैर सरकारी संगठनों, गैर सरकारी विद्यालयों के प्रतिनिधि, शिक्षक प्रतिनिधि, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं कॉलेजों के प्राचार्य, तकनीकी शिक्षण संस्थाओं के प्रतिनिधियों आदि ने अपने सुझाव दिए। उन्होंने शिक्षा को लेकर राज्य सरकार द्वारा विगत तीन वर्षों में किए गए निर्णय एवं नवाचारों की सराहना की और कहा कि राज्य सरकार की नीतियों से प्रदेश में शिक्षा का बेहतर माहौल बना है।

बैठक में शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज मंत्री रमेश मीणा, शिक्षा राज्यमंत्री जाहिदा खान, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव, युवा मामलात राज्यमंत्री अशोक चांदना, तकनीकी शिक्षा राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग, मुख्य सचिव उषा शर्मा, मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार अरविन्द मायाराम, सलाहकार गोविन्द शर्मा, निरंजन आर्य, अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा पवन कुमार गोयल, प्रमुख शासन सचिव वित्त अखिल अरोरा, प्रमुख शासन सचिव ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज अपर्णा अरोरा, प्रमुख शासन सचिव महिला एवं बालिका विकास श्रेया गुहा, प्रमुख शासन सचिव कार्मिक हेमन्त गेरा, शासन सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा भवानी सिंह देथा सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

पटवार भर्ती के परिणाम में अनियमितता और विवादित प्रश्नों को लेकर मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने पटवार भर्ती-2021 में अनियमितता बरतने और उत्तर कुंजी में तीन प्रश्नों के जवाब गलत जांचने के मामले में कर्मचारी चयन बोर्ड के चेयरमैन और सचिव से जवाब मांगा है। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश ओमप्रकाश की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि बोर्ड ने गत 24 अक्टूबर को पटवार भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित की थी। वहीं 22 नवंबर को लिखित परीक्षा की प्रारंभिक उत्तर कुंजी जारी की गई। याचिका में कहा गया कि प्रारंभिक उत्तर कुंजी में बोर्ड ने सवालों के सही जवाब जांचे थे, लेकिन गत 25 जनवरी को जारी की गई अंतिम उत्तर कुंजी में तीन प्रश्नों के जवाब बदल दिए गए। जबकि मान्यता प्राप्त पुस्तकों और दस्तावेजों के अनुसार बोर्ड की ओर से अंतिम उत्तर कुंजी में बताए तीन सवालों के जवाब गलत थे। इसके अलावा परिणाम जारी करने में नॉमलाईजेशन प्रक्रिया को भी सही तरीके से लागू नहीं किया गया। वहीं चयन बोर्ड ने न तो अभ्यर्थियों के अंक बताए और ना ही किस पारी के कितने अभ्यर्थी चयनित हुए, इसकी जानकारी दी। याचिका में यह भी कहा गया है कि बोर्ड ने मामले में गठित विशेषज्ञ कमेटी की रिपोर्ट को भी सार्वजनिक नहीं किया और मनमाने तरीके से परिणाम जारी किया है। याचिका में गुहार की गई है कि विवादित प्रश्नों के उत्तर सही जांचें जाए और याचिकाकर्ता को बोनस अंक देते हुए प्रश्न पत्र बनाने वालों को ब्लैक लिस्ट किया जाए। इसके साथ ही जब तक याचिका पर निर्णय नहीं हो, तब तक चयन प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए।

डोटासरा के घर के बाहर "नाथी का बाड़ा" लिखने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जयपुर (कासं)। रीट परीक्षा में हुई धांधली के विरोध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के जयपुर में सिविल लाइन स्थित सरकारी निवास पर काली स्याही से नाथी का बाड़ा लिखने के मामले में सोडाला थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने बताया गोपालगढ़ जिला भरतपुर निवासी एवं भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष विपुल शर्मा, स्वदेश शर्मा तथा रामेश्वर छाबा के खिलाफ राजस्थान संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

दरअसल रीट परीक्षा में हुई धांधली को लेकर विपुल शर्मा समेत भाजयुमो कार्यकर्ता अपनी गाड़ी से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के सिविल लाइन स्थित सरकारी निवास पर काली स्याही लेकर पहुंच गए एवं उनके निवास पर "नाथी का बाड़ा" लिखकर वहां से भाग गए थे।

करोना की फर्जी रिपोर्ट से क्लेम लेने के मामले में अग्रिम जमानत अर्जी खारिज

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-3 महानगर प्रथम ने कोविड की दूसरी लहर के दौरान कोरोना की फर्जी रिपोर्ट के आधार पर क्लेम लेने के मामले में चार लोगों को अग्रिम जमानत का लाभ देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत मोहित, महिपाल यादव, मनोज और कमल कांत की अर्जी को खारिज दिया है।

अग्रिम जमानत अर्जी में कहा गया कि उन्हें मामले में फंसाया जा रहा है। करोना पॉजिटिव होने के बाद वे क्वारंटाइन भी रहे थे। उनके फरार होने का खतरा भी नहीं है। ऐसे में उन्हें अग्रिम जमानत का लाभ दिया जाए। वहीं बीमा कंपनी की ओर से बताया गया कि कंपनी ने 738 रुपए के प्रीमियम पर विशेष बीमा पॉलिसी जारी की थी। इसमें बीमित व्यक्ति करोना पॉजिटिव होने पर कंपनी की ओर से 50 हजार रुपए तत्काल सहायता दिए जाने का प्रावधान था। कंपनी ने कोविड रिपोर्ट के आधार पर कई लोगों को बीमा राशि का भुगतान किया। वहीं किए गए भुगतान की जांच में आया कि चारो आरोपियों के बीमा दावे झूठे पाए गए। इस पर चारों के खिलाफ अशोक नगर पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। बीमा कंपनी की ओर से कहा गया कि चारों ने मालवीय नगर स्थित डायग्नोस्टिक लैब से करोना पॉजिटिव की झूठी रिपोर्ट तैयार करवाई। इस तरह से झूठे दावों की वजह से बीमा कंपनी को नुकसान हुआ है और अन्य सही दावे भी संदेह में आने से भुगतान में देरी की संभावना रहती है।

राज और रवि ने इंग्लैंड को 189 पर समेटा

नार्थ साउंड, 5 फरवरी। तेज गेंदबाजों राज बावा (31 रन पर पांच विकेट) और रवि कुमार (34 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी से भारत ने इंग्लैंड को आईसीसी अंडर 19 विश्व कप के फ़ाइनल में शनिवार को 44.5 ओवर में 189 रन पर निपटा दिया। समाचार लिखे जाने तक भारत ने 18 ओवर में 2 विकेट खोकर 49 रन बना लिये। इस विश्व कप में यह पहला मौका है जब इंग्लैंड की टीम आलआउट हुई है। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन उसकी शुरुआत खराब रही और 18 रन तक उसके दो विकेट गिर गए। इंग्लैंड इसके बाद संभल नहीं पाया और उसने 61 रन तक जाते-जाते अपने छह विकेट गंवा दिए। इंग्लैंड का सातवां विकेट 91 के स्कोर पर गिरा। लेकिन इसके बाद जेम्स रू और जेम्स सेल्स ने आठवें विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी कर टीम को संभालने का प्रयास किया। जेम्स ने 116 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 95 रन बनाये। जेम्स को रवि ने आठवें बल्लेबाज के रूप में आउट किया। रवि ने तीन गेंद बाद थॉमस ऐस्पिनवॉल का विकेट भी झटक लिया। राज और रवि दोनों के चार-चार विकेट हो चुके थे लेकिन राज बावा ने जॉशुआ बॉयडेन को आउट कर फ़ाइनल में पांच विकेट लेने की उपलब्धि अपने नाम कर ली। राज बावा ने 9.5 ओवर में 31 रन देकर पांच विकेट झटके जबकि रवि ने नौ ओवर में 34 रन पर चार विकेट अपने नाम किये। एक विकेट कौशल ताम्बे के हिस्से में आया। जेम्स सेल्स 65 गेंदों में 34 रन बनाकर नाबाद लौटे।

अफगानिस्तान को हरा कर ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर

एंटीगुआ, 5 फरवरी। ऑलराउंडर निवेथन राधाकृष्णन (66 रन, 31 रन पर तीन विकेट) के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन और सलामी बल्लेबाज कैम्पबेल केलावे (51) के बेहतरीन अर्धशतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने यहां शुक्रवार को लॉ स्कोरिंग मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ दो विकेट से रोमांचक जीत के साथ तीसरे स्थान पर अपना पुरुष अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप अभियान समाप्त किया। अफगानिस्तान टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.2 ओवर में 201 रन ही बना पाया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरुआत तो अच्छी की, लेकिन लक्ष्य के करीब पहुंचते-पहुंचते उसकी पारी लड़खड़ा गई। ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि आठ विकेट गिरने के बावजूद 49.1 ओवर में 202 रन बना कर मैच जीत लिया और तीसरे स्थान पर अभियान समाप्त किया।

केर्न्स कैंसर से पीड़ित

ऑकलैंड, 5 फरवरी। न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर क्रिस केर्न्स ने शनिवार को खुलासा किया कि वह आंत्र कैंसर से पीड़ित हैं। केर्न्स ने इंस्टाठाम पोस्ट में लिखा, मुझे कल बताया गया था कि मुझे आंत्र कैंसर है। एक बड़ा सदमा है। मैंने नियमित जांच के बाद इसकी कभी उम्मीद नहीं की थी। अब जब मैं सर्जनों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत के एक और दौर की तैयारी करूंगा तो मैं सोचता हूं कि मैं कितना भाग्यशाली हूं कि मैं अपने जीवन में इतना कुछ कर पाया। इस हफ्ते भी कुछ बुरा नहीं था। उल्लेखनीय है कि पूर्व टेस्ट खिलाड़ी लांस केर्न्स के बेटे क्रिस केर्न्स ने 1989 और 2006 के बीच न्यूजीलैंड के लिए 62 टेस्ट और 215 वनडे मैच खेले। में क्रिकेट से संन्यास लिया था।

एथलेटिक्स के लिए राष्ट्रीय चयन ट्रायल 9 से होंगे शुरू

नयी दिल्ली, 5 फरवरी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की ओर से 17 एथलेटिक्स खेलों के लिए नौ फरवरी से राष्ट्रीय चयन ट्रायल शुरू किए जाएंगे।

1000वें वनडे में जीत के लिए खेलेगा भारत

वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच आज

अहमदाबाद, 5 फरवरी। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए रविवार को यहां नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मैच कई मायनों में बेहद खास होगा। भारत के लिए यह मैच सबसे ज्यादा इसलिए खास है, क्योंकि यह उसका 1000वां वनडे मैच होगा और वह इसे जीत कर इसे और भी खास बनाना चाहेगा। भारतीय टीम ने अब तक 999 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उसने 518 जीतें और 431 हारे हैं, जबकि नौ मैच टाई और 41 का बेनतीजा रहे हैं। भारत का वनडे में ओवरऑल जीत प्रतिशत 54.54 है।

दूसरी खास बात यह है कि सफेद गेंद टीम के नवनियुक्त कप्तान रोहित शर्मा कल के इस मैच के साथ पूर्ण रूप से सभी वाइट बॉल प्रारूपों में अपनी भूमिका संभालेंगे। उनके सामने हालांकि कड़ी चुनौतियां होंगी, क्योंकि वेस्ट इंडीज की टीम, जो पिछली टी-20 सीरीज में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक इंग्लैंड को 3-2 से हरा कर आई है और अच्छे फॉर्म में दिख रही है।

रोहित के लिए बतौर कप्तान सबसे बड़ी समस्या टीम में उपयुक्त संयोजन लाना होगा। सबसे पहले बात ओपनर की आती है। दरअसल सलामी बल्लेबाजों शिखर धवन और रुतुराज गायकवाड़ तथा श्रेयर अय्यर सहित कई भारतीय खिलाड़ी वेस्ट इंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। ऐसे में मयंक अठावाल को एमरजेंसी आधार पर वनडे टीम में शामिल किया गया है, लेकिन वह फिलहाल क्वारंटीन में हैं, जबकि उप कप्तान लोकेश राहुल दूसरे वनडे से टीम में जुड़ेंगे, इसलिए अब विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन रोहित के साथ पहले वनडे में बतौर ओपनर उतरेंगे।

वहीं वनडे टीम चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने भी वापसी की है। इस बाएं हाथ के स्पिनर ने पिछले छह महीनों में किसी भी तरह का प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन भारत को मध्य ओवरों में विकेट लेने के विकल्पों की सख्त जरूरत है और उनके पास ऐसा ही कुछ करने का रिकॉर्ड है। बल्लेबाजी के मोर्चे पर राजस्थान के आक्रामक बल्लेबाज दीपक हुड्डा को भी पहली बार वनडे टीम में शामिल होने का मौका मिला है।

अब ऐसा लगता है कि भारत एक ऐसी रणनीति पर वापस जा रहा है जिसने 2017 और 2019 के बीच उसके लिए अच्छा काम किया, जब उन्होंने कुलदीप के साथ युजवेंद्र चहल को खिलाया था और उस समय दोनों गेंदबाजों को बल्लेबाज पढ़ नहीं पा रहे थे। रोहित ने शनिवार को दोनों स्पिनरों युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव का समर्थन करते हुए कहा कि वह वेस्ट इंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में दोनों को फिर से एक साथ लाना चाहते हैं। नवनियुक्त कप्तान ने बताया कि कलाई के दो स्पिनरों को इसलिए रिलीज कर दिया गया था क्योंकि भारत अलग-अलग संयोजन चाहता था जैसे कि प्लेइंग इलेवन (एकादश) में एक अतिरिक्त बल्लेबाज या गेंदबाज।

रोहित ने शनिवार को पहले वनडे मैच की पूर्व संध्या पर एक वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, चहल और कुलदीप हमारे लिए अतीत में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने बहुत प्रभाव डाला है। वे अलग-अलग संयोजनों के कारण बाहर हो गए थे, जो हम चाहते थे, लेकिन यह निश्चित रूप से मेरे दिमाग में है कि मैं उन्हें एक साथ वापस लाऊं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे के लिए ईशान, शाहरुख भारतीय टीम में शामिल

नयी दिल्ली, 5 फरवरी। अखिल भारतीय सीनियर चयन समिति ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को वेस्ट इंडीज के खिलाफ खेले जाने वाले पहले वनडे मैच के लिए ईशान किशन और शाहरुख खान को भारतीय टीम में शामिल किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से जारी विज्ञिप्त के मुताबिक शिखर धवन, श्रेयस अय्यर, रुतुराज गायकवाड़ और अन्य कई खिलाड़ियों के वनडे सीरीज की शुरुआत से पहले कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद ईशान और शाहरुख को पहले वनडे के लिए टीम में जोड़ा गया है।

पहले वनडे के लिए भारतीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आवेश खान, ईशान किशन, शाहरुख खान।

चहल-कुलदीप को फिर से साथ लाना चाहता हूं : रोहित

अहमदाबाद, 5 फरवरी। भारतीय सफेद गेंद टीम के नवनियुक्त कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को स्पिन गेंदबाजों युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव का समर्थन करते हुए कहा कि वह वेस्ट इंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में दोनों को फिर से साथ लाना चाहते हैं। कप्तान ने कहा कि दोनों स्पिनरों को इसलिए टीम से बाहर कर दिया गया था, क्योंकि टीम प्रबंधन अलग-अलग संयोजन चाहता था जैसे कि प्लेइंग इलेवन में एक अतिरिक्त बल्लेबाज या गेंदबाज। पर वह इस जोड़ी को एक साथ खेलाना चाहते हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमें कुलदीप को ध्यान से इस्तेमाल करना होगा, क्योंकि वह चोट के बाद वापसी कर रहे हैं।

रोहित ने शनिवार को पहले वनडे मैच की पूर्व संध्या पर एक वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, चहल और कुलदीप हमारे लिए अतीत में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने बहुत प्रभाव डाला है। वे अलग-अलग संयोजनों के कारण बाहर हो गए थे, जो हम चाहते थे, लेकिन यह निश्चित रूप से मेरे दिमाग में है कि मैं उन्हें एक साथ वापस लाऊं। हम कुलदीप को स्थापित होने के लिए कुछ समय देना चाहते हैं। वह काफी लंबे समय से नहीं खेले हैं। उन्हें ठीक से संभालना जरूरी है और उन्हें लय में वापस आने के लिए काफी मैच खेलने की जरूरत है।

नवनियुक्त कप्तान ने इस बात की पुष्टि की कि शिखर धवन के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद ईशान किशन वेस्ट इंडीज के खिलाफ रविवार को पहले वनडे मैच में उनके साथ ओपनिंग करेंगे। चयन समिति ने मयंक अठावाल को भी टीम में शामिल किया है, लेकिन वह अभी क्वारंनटाइन में हैं।

उल्लेखनीय है कि चहल और कुलदीप की जोड़ी को आखिरी बार 2019 विश्वकप के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ एक साथ खेलते देखा गया था। ठुाप चरण में खेले गए इस मैच में दोनों गेंदबाजों की जमकर पिटाई हुई थी। मैच में जहां चहल ने 88 रन लुटाए थे, वहीं कुलदीप ने 72 रन दिए थे। विश्व कप के सेमीफाइनल में बाहर होने तक चहल को कुछ और मैचों में मौके दिए गए, जबकि कुलदीप घुटने की चोट के कारण बाहर हो गए। इस बीच वह आईपीएल के दूसरे हिस्से में भी भाग नहीं ले सके।

रोहित ने कहा, कोरोना महामारी के चलते यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि हालात ठीक होने में कितना समय लगेगा। धवन और गायकवाड़ सहित अन्य संक्रमित खिलाड़ी आइसोलेशन में हैं। हर कोई जानता है कि उन्हें किसी भी समय अवसर मिल सकता है। हमने स्पष्ट कर दिया है कि किसी को भी कोई भी भूमिका निभानी पड़ सकती है।

नवनियुक्त कप्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई श्रृंखला में भारत के प्रदर्शन का आकलन करते हुए कहा, केवल एक श्रृंखला हारने से घबराने की जरूरत नहीं है। दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला से हमें एक सीख मिली है। हमें बहुत कुछ बदलने के लिए जरूरत नहीं है। सिर्फ अलग-अलग परिस्थितियों में खुद को ढालने की जरूरत है। कुछ वर्षों से हमने वनडे क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर मैं गलत नहीं हूं तो हमारी वनडे क्रिकेट में जीत प्रतिशत 70 फीसदी से ज्यादा की है। अगर कहीं बदलाव की जरूरत होगी तो हमें उसे करना होगा। हमें दूसरी टीमों की नक्ल करने की जरूरत नहीं है।

जोहाग ने ओलंपिक शीतकालीन खेलों का पहला स्वर्ण जीता

झांगजियाकौ, 5 फरवरी। वैंकूवर 2010 ओलंपिक खेलों की स्वर्ण पदक विजेता नॉर्वे की थेरेसी जोहाग ने शनिवार को यहां महिलाओं की 7.5 किमी 7.5 किमी स्कीथलॉन क्रॉस-कंट्री स्कीइंग स्पर्धा में 2022 ओलंपिक शीतकालीन खेलों का पहला स्वर्ण पदक जीता। डोपिंग प्रतिबंध के कारण प्योंगचांग में 2018 शीतकालीन खेलों में न खेल पाने वाली जोहाग ने 44 मिनट 13.7 सैकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया, जबकि रूसी ओलंपिक समिति (आरओसी) की नतालिया नेप्रियावा ने 44.43.9 के समय के साथ रजत और ऑस्ट्रिया की टेरेसा स्टैडलोबर ने 44.44.2 के समय के साथ कांस्य पदक जीता।

लैंगर ने ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच के पद से दिया इस्तीफा

लैंगर की जगह पर फिलहाल एंड्रयू मैकडॉनल्ड को अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया

मेलबोर्न, 5 फरवरी। जस्टिन लैंगर ने ऑस्ट्रेलिया की पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने शनिवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि लैंगर की जगह पर फिलहाल एंड्रयू मैकडॉनल्ड को अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वह श्रीलंका के खिलाफ आगामी टी-20 सीरीज से कामकाज संभालेंगे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, हमने पुरुष टीम के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। उन्होंने हमें आज इस्तीफा सौंपा था।

लैंगर को उनके वर्तमान अनुबंध में कुछ समय के विस्तार की पेशकश की गई थी, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं किया। उन्हें भविष्य की आवश्यकताओं और आगामी शेड्यूल सहित कई कारकों का मूल्यांकन करने के बाद उनके अनुबंध को बढ़ाने की पेशकश की गई थी।

विस्तार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया बोर्ड द्वारा मंजूरी दी गई थी और कल रात इसे लैंगर के सामने पेश किया गया था, जिसमें इस साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप खिताब को डिफेंड करने का अवसर शामिल था, लेकिन लैंगर ने आज सुबह हमें बताया कि वह इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं कर रहे हैं और तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे रहे हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने इस बारे में कहा, लैंगर पिछले चार वर्षों से ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम के एक बहतरीन कोच रहे हैं।

वह टीम में फिर से विश्वास लेकर आए हैं।

2018 में पदभार संभालने के बाद से हमें उनकी उपलब्धियों पर बेहद गर्व है, जिसमें हाल ही में 2021 टी-20 विश्व कप जीत और एशेज की सफलता शामिल है।

निश्चित रूप से हम निराश हैं कि जस्टिन ने कोच के पद पर बने रहने के उलट इसे छोड़ने का फैसला किया है, लेकिन हम उनके फैसले का सम्मान करते हैं और भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। उल्लेखनीय है कि दक्षिण अफ्रीका में 2018 में हुए गेंद के साथ छेड़छाड़ कांड के मद्देनजर लैंगर को टीम का कोच नियुक्त किया गया था।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए दुखद दिन : पोंटिंग

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ने शनिवार को जस्टिन लैंगर के ऑस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा देने को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए दुखद दिन करार दिया। लैंगर ने शनिवार को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुबंध को कुछ समय के लिए आगे बढ़ाने की प्रस्ताव को ठुकराते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पोंटिंग ने ऑस्ट्रेलियाई प्रसारण निगम के डिविजन एबीसी रेडियो के साथ बातचीत में इस बारे में कहा, जहां तक ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का सवाल है तो यह सच में एक दुखद दिन है और अगर आप पीछे मुड़कर देखें तो पिछले छह महीनों में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के कुछ बेहतरीन लोगों के साथ जिस तरह का बर्ताव किया है वह अच्छा नहीं है। मुझे लगता है कि जिस तरह से उन्होंने उन दो मामलों को संभाला है, वह शर्मनाक है। पूर्व कप्तान ने कहा, मेरे हिसाब से उन्हें बोर्ड का पूरा समर्थन नहीं मिला। जहां तक मैं लैंगर को जानता हूं, वह इस भूमिका को जारी रखने के लिए बहुत उत्सुक थे।

स्पीड स्केटर स्काउटन ने ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण

बीजिंग, 5 फरवरी। नीदरलैंड की स्पीड स्केटर आइरीन स्काउटन ने शनिवार को शीतकालीन ओलंपिक खेलों में महिलाओं की तीन हजार मीटर स्पर्धा में ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। 29 वर्षीय स्काउटन ने तीन मिनट 56.93 सैकेंड के समय के साथ एक नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाने हुए ओलंपिक स्वर्ण पदक हासिल किया।

इटली की फ्रांसेस्का लोलोब्रिगिडा ने 3.58.06 के समय के साथ रजत, जबकि कनाडा की इसाबेल वेइडमैन ने 3.58.64 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। ओलंपिक शीतकालीन खेलों में कनाडा का यह 200वां पदक है। स्काउटन ने पदक जीतने के बाद कहा, मेरे और देश के लिए बहुत दबाव था और मैं बहुत खुश हूं कि मैंने पदक हासिल किया। चार साल पहले मैं क्वालीफाई नहीं कर पाई थी, इसलिए मुझे यह चाहिए था। जब मैं छोटी थी तो ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतना मेरा एक बड़ा सपना था और अब यह मेरे पास है।

इस इमारत को देखकर लगता है मानो भगवान ने खुद इसे जमीन पर उतारा है। यह है थाइलैण्ड का वाट रोंग खुन, जिसे वाइट टैम्पल के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर बौद्ध धर्म के प्रति एक इंसान के समर्पण का प्रतीक है। थाइलैण्ड के चियांग राई शहर के एक कलाकार, चालेरमचाई कोसितपिपात ने 1997 में इस मंदिर का डिज़ाइन बनाया तथा निर्माण शुरु करवाया था। थाइलैण्ड के कुल 30,000 मंदिरों में यह सबसे ज्यादा अनोखा है। एक दम झक सफेद यह मंदिर प्लास्टर ऑफ पेरिस का बना है। इसका निर्माण कार्य अभी भी चल रहा है और पूरा होने में अभी 50 साल और लगेंगे क्योंकि 2014 में आए भूकम्प में इसे काफी नुकसान हुआ था। एक सौ बीस स्वयंसेवक, जिनमें कलाकार, शिल्पकार एवं भवन निर्माता शामिल हैं, कोसितपिपात की सोच को आकार देने में लगे हैं। मंदिर का मुख्य आकर्षण है इसका हॉल। हाथी दांत जैसे रंग वाले इस हॉल में छोटे-छोटे शीशे लगे हैं। इसका रंग जहाँ, पवित्रता का प्रतीक है, वहीं, शीशे भगवान बुद्ध की बुद्धि और धम्म के प्रतीक हैं। मंदिर के मुख्य द्वार पर बतौर रक्षक दैत्यों की दो मूर्तियाँ लगाई गई हैं। मुख्य भवन तक जाने के रास्ते में एक छोटी सी झील है जिस पर एक पुल बना हुआ है। पुल के सामने के क्षेत्र में आसमान की ओर उठे कई हाथ बने हैं, जो तृष्णा का प्रतीक हैं। यह क्षेत्र इंसान की पीड़ा व नर्क की तकलीफों को दर्शाता है। पुल का नाम ''साइकिल ऑफ री बर्थ'' है। झील के समीप ही किन्नरों की दो मूर्तियां हैं। बौद्ध धर्म के अनुसार यह एक धार्मिक किरदार है जिसका आधा शरीर मानव व आधा शरीर पक्षी का है। मंदिर में कुल 9 भवन हैं जिनमें एक हॉल में बौद्ध धर्म के प्रतीक चिन्ह रखे हैं। एक मैडिटेशन हॉल है तथा भिक्षुओं के लिए आवास व आर्ट गैलरी भी है।

चौंप में विश्व के तीसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन

वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग के माध्यम से हुआ शिलान्यास

- **मुख्यमंत्री गहलोत ने बी.सी.सी.आई. अध्यक्ष सौरव गागुंली व सचिव जय शाह से राजस्थान को अन्तर्राष्ट्रीय मैचों की मेज़बानी, प्राथमिकता से देने की मांग की।**
- **बी.सी.सी.आई. अध्यक्ष सौरव गांगुली ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में रणजी तथा दिलीप ट्राफी के मैचों के दौरान बिताए गए समय को याद किया।**

जयपुर, 5 फरवरी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों और खिलाड़ियों को पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रोत्साहन दे रही है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश में खेलों का वातावरण तैयार हो और यहां की प्रतिभाएं देश-दुनिया में अपना परचम लहराएं। इसी उद्देश्य के साथ जयपुर के पास चौंप में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टेडियम बनाया जा रहा है।

गहलोत शनिवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चौंप में बनने जा रहे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के शिलान्यास समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज का दिन राजस्थान के क्रिकेट जगत के लिए स्वर्णिम दिन है। प्रदेश के खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों का सपना पूरा होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन आरसीए अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी ने यह सपना देखा था।

उन्होंने बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह से राजस्थान को अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मेजबानी प्राथमिकता से देने की मांग की। उन्होंने उम्मीद जताई कि राजस्थान के खेल प्रेमियों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के हिस्से में अधिक से अधिक अंतर्राष्ट्रीय मैच आएंगे। हाल ही में जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में 8 साल बाद आयोजित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच का जिक्र करते हुए उन्होंने बीसीसीआई से राजस्थान को और अंतर्राष्ट्रीय मैच देने की मांग की।

विधानसभा अध्यक्ष एवं आरसीए के मुख्य संरक्षक डॉ. सीपी जोशी ने कहा कि मुझे विश्वास है कि राज्य सरकार एवं बीसीसीआई के सहयोग से विश्व के तीसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण आरसीए समय पर पूरा करेगा। इस स्टेडियम से आने वाले समय में प्रदेश के युवाओं को खेल के बेहतर अवसर मिलेंगे।

आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत ने कहा कि चौंप में बन रहे अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम के प्रथम एवं द्वितीय चरण का कार्य समयबद्ध रूप से पूरा होगा और खेल प्रेमियों को यहां अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच देखने का मौका मिलेगा।

बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में रणजी तथा दिलीप ट्रॉफी के मैचों के दौरान बिताए गए समय को याद किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नए स्टेडियम के निर्माण एवं राजस्थान में क्रिकेट को बढ़ावा देने में बीसीसीआई का पूरा सहयोग मिलेगा। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा कि अहमदाबाद व मेलबर्न के बाद जयपुर के पास बन रहे विश्व के तीसरे सबसे बड़े स्टेडियम से राजस्थान में क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा।

इससे पहले मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों ने स्टेडियम के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में जन स्वास्थ्य एवं अभियान्त्रिकी मंत्री डॉ. महेश जोशी, बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, आरसीए के एडवाइजर जीएस संधु, आरसीए उपाध्यक्ष अमीन पठान, सचिव महेन्द्र शर्मा, कोषाध्यक्ष कृष्ण निमावत व अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

'प्लॉट नहीं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आंदोलन कर रहे भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष जले सिंह के अलावा रजनीश जैमन व जितेंद्र राठौड़ ने कहा कि ''बेटी को जब तक न्याय नहीं मिल जाता हम चुप नहीं बैठेंगे। जनता ने देख लिया कैसे पुलिस ने बार-बार बयान बदले हैं। अब तक पुलिस मामले का खुलासा नहीं कर सकी है। इस कारण जनता में रोष है। जबकि पूरे प्रदेश व देश में अलवर की मूकबधिर से हुई दरिंदगी का विरोध हुआ है। उसके बावजूद सरकार ने मामले को दबाने का प्रयास किया और इस प्रकरण की सीबीआई जांच भी शुरू नहीं कराई गई है।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में कुछ और गिरावट आई

राज्य में शनिवार को 5602 नए संक्रमित मिले, जबकि शुक्रवार को 5937 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

- **राजधानी जयपुर में भी थोड़ी कमी के बाद 916 नए संक्रमित मिले हैं।**
- **प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से 19 और लोगों की मौत हुई है।**

जयपुर, 5 फरवरी। प्रदेश में शनिवार को भी करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी और गिरावट आई है। इस दौरान राज्य में 5602 नए संक्रमित मिले है, जबकि 9 हजार से ज्यादा मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही राज्य में रिकवरी दर बढ़कर 95.12 फीसदी हो गई है, जबकि संक्रमण दर घटकर 11.40 प्रतिशत पर आ गई है। उधर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में दस जिलों में करोना से 19 और लोगों की मौत हो गई है। प्रदेश में करोना संक्रमण के मामलों में लगातार गिरावट आ रही है। शनिवार को भी राज्य में 335 मामले कम आने के साथ ही 5602 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शुक्रवार को 5937 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में भी आज संक्रमितों की संख्या में कुछ गिरावट आई है। इस दौरान जिले में 916 नए रोगी मिले हैं। इसके अलावा जोधपुर में 615, अलवर में 465, उदयपुर में 341, गंगानगर में 311, भीलवाड़ा में 257, अजमेर में 203, नागौर में 194, सीकर में 177, हनुमानगढ़ में 171, पाली में 158, कोटा में 138, बीकानेर में 134, चित्तौड़गढ़ में 115, भरतपुर में 111, राजसमंद में 103, बारां में 102, प्रतापगढ़ में 94, सिरोही में 86, बांसवाड़ा में 78, टोंक में 75, चूरू में 69, जैसलमेर में 68, दौसा में 63, धौलपुर में 61, डूंगरपुर व सवाईमाधोपुर में 58-58, बाड़मेर में 57, करौली में 49, बूंदी में 48, झालावाड़ में 45 और जालौर में 12 नए संक्रमित मिले हैं।

स्वास्थ विभाग के अनुसार राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 9309 लोग ठीक हुए हैं। इसके साथ ही अब तक इस बीमारी से 11 लाख 80 हजार 158 संक्रमित स्वस्थ हो चुके हैं। इस बीच प्रदेश में रिकवरी बेहतर होने से लगातार एक्टिव केस कम हो रहे है। राज्य में फिलहाल 51 हजार 143 मरीजों का इलाज चल रहा है। इनमें सबसे ज्यादा 12 हजार 687 मामले जयपुर जिले में हैं। उधर राज्य में करोना से शुक्रवार को 19 लोगों की मौत हो गई है। इनमें जयपुर में 6, सिरोही में 3, बीकानेर व सीकर में 2-2 तथा बाड़मेर, भीलवाड़ा, जोधपुर, करौली, उदयपुर और पाली में 1-1 मरीज की और मौत हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9372 लोगों की जान जा चुकी है।

रीट परीक्षा के पेपर उचित दर पर उपलब्ध हैं, संपर्क करें ''राजीव गांधी स्टडी सर्किल''

डोटासरा के निवास पर ''नाथी का बाड़ा'' लिखने के बाद युवा मोर्चा ने भरतपुर में लगवाए पोस्टर

- **रीट पेपर लीक मामले में डोटासरा और सुभाष गर्ग हैं निशाने पर।**

जयपुर, 5 फरवरी (का.प्र.)। रीट परीक्षा लीक मामले को लेकर भाजपा का आंदोलन जारी है और इस परीक्षा को रद्द कराने तथा इसकी सी.बी.आई. जांच की मांग को लेकर पार्टी के अलग-अलग मोर्चे आंदोलन कर रहे हैं। इसके साथ ही पूर्व शिक्षा मंत्री एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और राज्य मंत्री सुभाष गर्ग निशाने पर हैं। भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने दो दिन पहले जहां डोटासरा के जयपुर स्थित सरकारी आवास और सीकर स्थित निजी आवास पर ''नाथी का बाड़ा'' लिख दिया था, वहीं अब भाजपा की ओर से भरतपुर में मंत्री सुभाष गर्ग के निवास के आसपास के खंभों पर ''रीट परीक्षा के पेपर उचित दर पर उपलब्ध है। संपर्क करें-राजीव गांधी स्टडी सर्किल'' लिखे हुए पोस्टर चस्पा किए गए। नगर निगम ने इनकी जानकारी मिलते ही इन्हें हटवा दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष शैलेश सिंह ने इन पोस्टरों की जिम्मेदारी ली है।

रीट पेपर लीक का मामला सामने आने के बाद भाजपा ने इसके विरोध में गत एक सप्ताह से प्रदेश भर में अलग-अलग तरीकों से अपने मोर्चों के जरिए आंदोलन कर रखा है। भरतपुर में सुबह जब लोग उठे तो शहर में इस तरह के होर्डिंग और पोस्टर देख चर्चाएं शुरू हो गई। मामले को लेकर भाजपा जिला अध्यक्ष शैलेश सिंह ने जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि ''भाजपा युवा मोर्चा की तरफ से शहर में होर्डिंग लगाए गए हैं। प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है। प्रदेश का युवा उम्मीद कर रहा है कि भाजपा इसका विरोध करे और रीट पेपर को निरस्त करवाने का काम करें। भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने जयपुर में रीट पेपर को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और कांग्रेस ने सभी कार्यकर्ताओं पर बर्बरता से लाठीचार्ज किया। जांच एजेंसी छोटी-छोटी मछलियों को पकड़ रही है। बड़े लोगों तक कोई आंच नहीं आ रही। भाजपा इस पेपर को निरस्त करवाने की इच्छुक है।''

भाजपा कार्यकर्ताओं ने रीट पेपर घोटाले को लेकर राज्य सरकार के मंत्री सुभाष गर्ग के भरतपुर स्थित निवास के आसपास पोस्टर चिपकाए।

श्रीनगर में शनिवार को दो आतंकी मारे गये

- **श्रीनगर में जकुरा इलाके में टी आर. एफ. के आतंकियों के साथ सुरक्षा बलों की मुठभेड़ हुई।**

श्रीनगर, 5 फरवरी (वार्ता)। केंद्रशासित जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में जकुरा इलाके में शनिवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के सहयोगी समूह द रेसिस्टेंस फ्रंट (टी.आर.एफ.) के दो स्थानीय आतंकवादी मारे गये।

आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर सेना और पुलिस ने जकुरा इलाके में आज सुबह घेराबंदी और तलाश अभियान छेड़ा था। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों की टीम ने लक्षित स्थल की ओर बढ़ना शुरू किया , तभी वहां छिपे आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलायी। दोनों पक्षों बीच मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये।

उन्होंने बताया कि मृत आतंकवादियों की पहचान कुलगाम निवासी इखलाक अहमद हाजम और पुलवामा के आदिल निसार डार के रूप में की गयी है और वे दोनों टी.आर.एफ. से जुड़े थे। इखलाक 18 जनवरी को कैमूह-यारीपोरा रोड (कुलगाम में) पर एक आई.ई.डी. विस्फोट में भी शामिल था।

किरीट सोमैया पर हमला

भाजपा नेता किरीट सोमैया पर कथित रूप से शिवसेना कार्यकर्ताओं ने हमला किया

- **निगम परिसर में मौजूद शिवसैनिकों ने किरीट सोमैया के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर उन्हें काले झंडे दिखाये और उनका घेराव किया।**

पुणे, 5 फरवरी (वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के नेता किरीट सोमैया पर शनिवार को दोपहर कथित रूप से शिवसेना कार्यकर्ताओं ने हमला किया जब वह पुणे नगर निगम के मुख्य भवन के कार्यालय में प्रवेश कर रहे थे।

सोमैया अब संचेती अस्पताल में भर्ती हैं जहां किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं है। निगम परिसर में पहले से मौजूद शिवसैनिकों ने उनके अंदर घुसते ही उनके खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। शिवसैनिकों ने सबसे पहले उन्हें काला झंडा दिखाया और सोमैया का घेराव किया।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि यह शिवसेना की सरकार है, वे कुछ भी कर सकते हैं, लेकिन हम इस संस्कृति को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस को तुरंत दोषियों की पहचान करनी चाहिए और उन सभी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करनी चाहिए।

संचेती अस्पताल के प्रबंध निदेशक डा. पराग संचेती ने संवाददाताओं से कहा कि हमने एक्सरे लिया है और आगे की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, हमने उन्हें एक दिन के लिए निगरानी में रखा है और रविवार को उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सोमैया का स्वास्थ्य स्थिर है।

पुणे के जंबू अस्पताल के भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करने के लिए सोमैया पुणे आए हैं।

लता मंगेशकर की हालत फिर नाजुक

मुंबई, 5 फरवरी (वार्ता)। भारतरत्न स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर की हालत फिर नाजुक हो गई है और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया है। करोना संक्रमण के कारण स्वर कोकिला लता मंगेशकर को आठ जनवरी को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। बीच में उनकी तबीयत में सुधार हुआ था लेकिन आज दोबारा उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गयी। रिपोर्ट के अनुसार लता मंगेशकर का हाल जानने के लिए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे आज अस्पताल पहुंचे थे और थोड़ी देर पहले मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने भी अस्पताल जाकर उनका हालचाल पूछा।

क्या भाजपा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अगर ऐसा होता है तो भाजपा अपने शहरी वोटरों का रूख कांग्रेस की ओर मोड़ सकती है, जैसा पिछले विधान सभा चुनावों में हुआ था। सारा सट्टा चुनाव में आम आदमी पार्टी की जीत के पक्ष में था, लेकिन परिणामों में कांग्रेस की जीत सामने आई।

इसके साथ ही, पंजाब के सभी शीर्ष एवं प्रतिष्ठित परिवार नवजोत सिद्धू के खिलाफ लामबन्द हो गये हैं तथा उनकी हार सुनिश्चित करने की कोशिश में हैं।

इनमें से मुख्य परिवार हैं- बादल, मजीठिया, कैप्टन अमरिन्दर सिंह, सुनील जाखड़ तथा चरणजीत सिंह चन्नी। सिद्धू के खिलाफ मजीठिया लडेंगे तथा ये सब नेता मजीठिया को सहयोग-समर्थन देंगे। सिद्धू की हार से ज्यादातर पार्टियाँ राहत की साँस लेंगी, जिनमें कांग्रेस नेतृत्व भी शामिल है, जो सिद्धू के बड़बोलेपन से त्रस्त है तथा इसीलिये नेतृत्व एक कमजोर मुख्यमंत्री पसंद करता है, जो नमनशील हो तथा उसके कहने के अनुसार काम करे।

कुल मिलाकर, पंजाब में अब घमासान स्थिति शुरू हो रही है।

अमेरिका चीन की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इंटैलिजैंस कमेटी के सदस्य एवं आरकन्सा से रिपब्लिकन पार्टी के सीनेटर, टॉम कॉटन ने कहा कि, यह गेम्स एथलीट्स और कोचों के लिए सुरक्षा जोखिम हैं, क्योंकि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सी.सी.पी.) द्वारा उनकी गुप्तचरी करवा सकती है या उनका अपहरण करवा सकती है। उन्होंने यह चिंता भी जताई कि चाइनीज़ कम्युनिस्ट पार्टी कोविड-19 जांच के बहाने खिलाड़ियों और कोचों के डी.एन.ए. सैम्पल्स भी लिए जा सकते है, जो उसके इन्टैलीजैंस उद्देश्यों की पूर्ति करता है।

सीनेट की फॉरेन अफेयर्स कमेटी के रिपब्लिकन सदस्यों ने बीजिंग में मौजूद अमेरिकी एथलीट्स की सुरक्षा को लेकर पिछले सप्ताह चिंता व्यक्त करते हुए विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से कहा था कि, वे अपने एथलीट्स को चीन के मानवाधिकार उल्लंघनों के बारे में बीफ्र करें।

ब्लिंकन को लिखे एक पत्र में, सीनेटर्स ने कहा था कि, यदि एथलीट्स चीन के खराब मानवाधिकार रिकॉर्ड के बारे में बोलेंगे तो वे मुसीबत में पड़ जाएंगे।

चीन ने अमेरिका और उसके सहयोगियों के इस राजनीतिक रूख को खारिज करने में तत्परता दिखाई और अमेरिका की भांति उसने भी धमकी देकर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए।

बीजिंग 2022 गेम्स की प्रवक्ता यान जिआरोंग ने कहा कि, ''खेलों व ओलम्पिक्स को राजनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल नहीं करना चाहिए तथा खेलों के राजनीतिकरण से विभाजन ही पैदा होगा।

खेलों का राजनीतिकरण ''एकजुटता'' की भावना के खिलाफ है और इसका एकमात्र परिणाम ''विभाजन'' होगा।''

अमेरिका ने अपने एथलीट्स को चीन के कथित मानवाधिकार उल्लंघनों के बारे में ना बोलने की हिदायत देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि, वह इस मुद्दे पर चीन से उलझना नहीं चाहता और कम से कम इन खेलों की समाप्ति तक तो नहीं।

सात लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने डुबकी लगायी

क्या हुआ कोविड प्रोटोकॉल का!

- **माघ मेले में घने कोहरे और तेज सर्द हवाओं के बीच श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई।**
- **संगम में स्नान करते समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौन रहे तो कुछ ने हर-हर महादेव, जय गंगे, और ओम नमः शिवाय का जाप किया।**

प्रयागराज, 5 फरवरी (वार्ता)। दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम कुम्भ मेले के चौथे स्नान पर्व बसंत पंचमी के मौके पर शनिवार को अपराह्न 12 बजे तक सात लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पतित पावनी गंगा, श्यामल यमुना और अन्तः सलिला स्वरूप सरस्वती की त्रिवेणी में स्नान किया।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार बसंत पंचमी का मुहूर्त शनिवार सुबह 6.43 बजे से आरंभ होकर रविवार को सुबह 6.44 बजे तक रहेगा। उत्तर भद्रपद नक्षत्र, सिद्धि योग के अलावा मकर राशि में सोम, बुध और शनि का संचरण होने से स्नान, दान एवं पूजन का महत्व बढ़ गया है। बसंत पंचमी की पुण्य बेला में स्नान करने के लिए काफी श्रद्धालु मौनी अमावस्या से मेला क्षेत्र में परिचित संतो और कल्पवासियों के शिविर में टिके रहे।

मेला क्षेत्र में स्थापित कंट्रोल रूम से मिले आंकड़ों के अनुसार 12 बजे तक करीब सात लाख लोगों ने संगम में आस्था की डुबकी लगायी। प्रशासन के लगातार मास्क लगाने की चेतावनी के बावजूद बड़ी संख्या में लोग मेलाक्षेत्र में बिना मास्क के भ्रमण कर रहे हैं।

माघ मेले में घने कोहरे और तेज सर्द हवाओं के बीच दूर दराज से आए श्रद्धालु संगम की पवित्र धारा में डुबकी लगा रहे हैं। आस-पास के स्नान घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए सभी पांच सेक्टरों में बने नौ स्नान घाटों पर तांता लगा है। सबसे लम्बा घाट संगम नोज को बनाया गया है। कल्पवासियों के लिए झूंसी छोर पर पंटून पुलों के पास घाट बनाए गए हैं। श्रद्धालुओं की आस्था को करोना का नया वेरिएंट ओमिक्रॉन संक्रमण भी डिगा नहीं पाया।

संगम में स्नान करते समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौन रहे तो कुछ हर-हर महादेव, जय गंगे, और ओम नमः शिवाय का जाप करते रहे। आस्था की मौन डुबकी लगाने के बाद श्रद्धालुओं ने मां गंगा का विधि विधान से पूजन किया एवं उनको दुग्ध अर्पित किया। सूर्य देव को जल देते हुए परिवार की सुख, समृद्धि एवं स्वास्थ्य की कामना किया। मेला में श्रद्धालु ऊंच-नीच, अमीर-गरीब और स्वस्थ- रूग्ण की दीवार ढहा एक साथ त्रिवेणी में डुबकी लगा रहे हैं। स्नान के बाद श्रद्धालु घाट पर बैठे तीर्थ पुरोहितों को दान देकर पास में बड़े मंदिर जाकर हनुमान जी का दर्शन कर रहे हैं। बहुत से श्रद्धालुओं ने अक्षय वट का भी दर्शन किया।

20 दिन पहले...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डायरैक्टर आरएन मीणा ने बताया कि बाघ तक पहुंचने के लिए वन विभाग के अमले को ट्रैप कैमरे उपलब्ध कराए गए हैं। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर हैल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए है। इसके लिए अलग-अलग कंट्रोल रूम भी बनाये गये हैं।

क्या यू.पी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से 400 सीटें मिलने वाली हैं। लेकिन भाजपा भी हर तरह से पूरे उत्साह में है तथा बढ़-चढ़कर सत्ता में बने रहने के लम्बे-चौड़े दावे कर रही है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश का व्यापक दौरा किया है, जहाँ भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि, सालों तक भारत की उपेक्षा करते रहने के बाद, विश्व अब जाकर भारत को गंभीरता से ले रहा है। उत्तर प्रदेश के बलदेव कस्बे में प्रचार के दौरान उन्होंने कहा, ''अगर हम कुछ कहते हैं, तो दुनिया उसे ध्यान से सुनती है। आपने देखा कि, उरी तथा पुलवामा में हुये हमलों के बाद, हमारी सेना ने किस तरह से पाकिस्तानी जमीन पर आतंकियों को नेस्तनाबूत कर दिया था। (ऐसा करके) हमने कड़ा संदेश दिया था।''

पश्चिम उत्तर प्रदेश के हापुड़ नगर में प्रचार करते हुये, भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने विपक्ष पर आरोप लगाया कि, उसने राष्ट्र के विकास की अनदेखी की है, क्योंकि विपक्ष को केवल अपने परिवारों की चिन्ता थी। समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुये, नड्डा ने कहा कि, किसी भी गरीब आदमी के पास भोजन की कमी नहीं है।

पहले चरण में, भाजपा मुश्किल स्थिति में है तथा यह असंभव दिखाई दे रहा है कि, वह 2017 के अपने प्रदर्शन को दोहरा पायेगी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908